

Daily सच के हक में...

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi



Nushrrat Bharuccha To...

महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान मौनी

हुए पहले अमृत स्नान से भी अधिक

स्नान से न केवल आपको शुभ फल

भी तुप्त होती है। प्रयागराज, हरिद्वार,

लोगों के पहुंचनें की संभावना है। मौनी

अमावस्या के दिन किए जाने वाले अमृत

मिलते हैं, बल्कि आपके पितरों की आत्मा

उज्जैन और नासिक ये चार प्रमुख स्थान

हैं, जहां कुंभ का आयोजन किया जाता

है। बतायाँ जाता है कि मौनी अमावस्या

अमावस्या से एक दिन पहले मंगलवार

को तीन करोड़ से अधिक लोगों ने संगम

किया। पहले सेही मौनी अमावस्या के

प्रयागराज पहुंच रहे हैं, जिनकी सुरक्षा

और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए

मेला प्रशासन ने परामर्श जारी किया है।

आस्था की डुबकी लगाएंगे। मौर्नी

में डुबकी लगाकर पुण्य लाभ प्राप्त

पवित्र अवसर पर करोड़ों श्रद्धालु

को लगभग 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालु

जनवरी को है। इस दिन 14 जनवरी को

अमावस्या के दिन यानी आज 29

Ranchi ● Wednesday, 29 January 2025 ● Year : 03 ● Issue : 16 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

22,957.25

7,690

104.00 (नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS सलीमा टेटे और निक्की को जमीन देगी सरकार

RANCHI: राज्य सरकार हॉकी खिलाड़ी सलीमा टेटे और निक्की प्रधान को रांची के हरमू में जमीन देगी। सीएम हेमंत सोरेन बुधवार को इन दोनों खिलाड़ियों को भूखंड के कागजात सौपेंगे। सलीमा को प्लॉट नंबर 10 बी और निक्की प्रधान को प्लॉट नंबर 10 ए आवंटित किया जाएगा। झारखंड राज्य आवास बोर्ड ने 14 अगस्त 2024 को अपनी 74वीं बैठक में यह फैसला लिया था कि सलीमा टेटे और निक्की प्रधान को 3750 वर्ग फीट जमीन दी जाएगी।

कंप्लीट नहीं हुआ देवघर एम्स का एप्रोच रोड

RANCHI: देवघर एम्स का एप्रोच रोड अब तक नहीं बना है। सरकार के कई निर्देश के बाद भी संवेदक ने एम्स की और जाने वाले सड़क को पूरा नहीं किया है। काम भी बंद कर रखा है। पूरे मामले पर कार्यपालक अभियंता ने कार्रवाई की अनुशंसा की है। कंपनी पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। संवेदक नंदकिशोर सिंह को गैर योजना मद से पथ प्रमंडल देवघर अंतर्गत कंस्ट्रक्शन आफ एप्रोच रोड देवधर एम्स गेट नंबर 03 से सत्संगनगर भिखरीबाद एमडीआर 235 का काम आवंटित किया गया था। इस रोड में आरसीसी क्रास ड्रेन भी बनाना। कार्य के लिए एकरारनामा 2023-24 में ही किया गया था।

सर्बिया में प्रदर्शन तेज होने के बीच प्रधानमंत्री का इस्तीफा

NEW DELHI : मंगलवार को सर्बिया के प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक ने कई सप्ताह से जारी भ्रष्टाचार विरोधी व्यापक विरोध प्रदर्शन के चलते पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। उत्तरी शहर नोवी सैड में नवंबर में एक छज्जा ढहने के बाद देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन की शुरूआत हुई थी। छज्जा ढहने की घटना में 15 लोगों की मौत हो गई थी। प्रदर्शनों को सर्बिया के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुसिक के ानरकुश शासन क प्रात व्यापक असंतोष के रूप में देखा जा रहा। वुसिक सर्बिया में लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को कुचलने के आरोपों का सामना कर रहे हैं। वहीं, उन्होंने बाल्कन क्षेत्र के इस संकटग्रस्त राष्ट्र के लिए औपचारिक रूप से यूरोपीय संघ की सदस्यता मांगी है।

एनआईए ने घाटी में 6 स्थानों पर ली तलाशी

SRINAGAR: मंगलवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गैर-स्थानीय लोगों की हत्या के मामले में कश्मीर के तीन जिलों में छह स्थानों पर व्यापक तलाशी ली। एनआईए की टीमों ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और उसकी शाखा 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) से सहानुभूति रखने वालों, कैडरों और ओवरगाउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) से संबंधित आवासीय परिसरों से कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। एनआईए ने कहा कि यह मामला अमृतसर (पंजाब) के चमायरी निवासी दो नागरिकों की हत्या से संबंधित है।

दूसरे अमृत स्नान से एक दिन पहले ही संगम में उमड़ा जनसैलाब तीन करोड़ से अधिक लोगों ने संगम में डुबकी लगाकर प्राप्त किया पुण्य लाभ

पुलिस और विशेष डॉक्टरों की टीम श्रद्धालुओं की देखरेख के लिए 24 घंटे तैनात



कंभ मेले का विशेष महत्व

सनातन धर्म में कुंभ मेले का विशेष पर्व सनातन संस्कृति की महानता को तो दशार्ता ही है। वहीं करोड़ों श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है। मान्यता है कि करोड़ों वर्ष पूर्व देवताओं और दानवों के बीच समुद्र मंथन के दौरान जो अमत कंभ निकला था। उसकी अमृत की कुछ बूंदें पृथ्वी पर गिर गई थीं। उन सभी स्थानों पर हर 12 वर्ष में कुंभ मेले का आयोजन होता है। विश्व का सबसे बड़ा मेला हर 12 साल में

स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत होने पर कराएं जांच

अधिकारी ने कहा कि श्रद्धालु स्नान और दर्शन करने के बाद सीधे पार्किंग की ओर जाएं और यदि वे मंदिरों में दर्शन के लिए जा रहे हैं तो अपनी लेन में बने रहें और वहां से अपने गंतव्य स्थान के लिए प्रस्थान करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर श्रद्धालु नजदीकी सेक्टर में बने अस्पताल में जांच कराएं। द्विवेदी ने कहा कि स्नान के लिए जाते समय बैरिकेडिंग और पांटून पुलों पर धैर्य बनाए रखें और जल्दबाँजी व धक्का मुक्की करने से बचें। श्रद्धालुओं से आग्रह है कि सभी घाट संगम घाट है और वे जिस घाट पर पहुंच जाएं वहीं स्नान करें। श्रद्धालु कहीं एक साथ एक स्थान पर ना रुकें और किसी भी स्थिति में आने और जाने वाले श्रद्धालु आमने-सामने ना आएं। साथ ही मेलें में अफवाहों से बचें और सोशल

मीडिया पर फैलाए गए किसी भी भ्रम को सच ना मानें। पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि अमृत कुंभ लेकर आए थे, तब देवताओं और दानवों के बीच अमृत प्राप्ति को लेकर संघर्ष छिड़ गया। भगवान विष्णु ने इस संघर्ष को रोकने और अमृत को सुरक्षित रखने के लिए मोहिनी का रूप धारण किया। उन्होंने अमृत कलश को सुरक्षित रखने के लिए इंद्रदेव के पुत्र जयंत को सौंपा। जयंत अमृत कुंभ को लेकर आकाश मार्ग से चले, लेकिन दानवों ने उनका पीछा किया। इस दौरान अमृत की कुछ बूंदें पृथ्वी पर गिर गई। ये बूंदें प्रयागराज में गंगा-यमुना-सरस्वती के संगम पर, हरिद्वार में गंगा नदी में, उज्जैन में क्षिप्रा नदी में और नासिक में गोदावरी नदी में गिरीं। इन्हीं स्थानों पर कुंभ मेले की परंपरा शुरू हुई।

लातेहार में गांव वालों की दिलेरी ने उग्रवादियों को सिखाया सबक

उग्रवादियों से भिड़ गए मजदूर जमकर पीटा, एक की गई जान

PHOTON NEWS LATEHAR:

सोमवार की देर रात जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर गांव में एक ईंट भट्ठा में लगभग 8 की संख्या में उग्रवादी अचानक आ धमके। इसके बाद संचालक से लेवी के लिए मारपीट करने लगे। वहां काम कर रहे मजदुरों को भी पीटने लगे। उग्रवादियों ने संचालक और मजदूरों के साथ मारपीट करने के साथ-साथ फायरिंग भी की। वहां से एक मोटरसाइकिल लेकर भी फरार होने लगा। इतने में मजदूरों के साथ मारपीट किए जाने से वहां कार्य कर रहे अन्य मजदूर भड़क गए और दिलेरी दिखाते हुए उग्रवादियों से भिड़ गए। इस दौरान मजदूरों ने उग्रवादियों की जमकर धनाई कर दी। इसमें एक उग्रवादी की मौत हो गई। मजदरों के आक्रामक रूप को देखकर घटना की सूचना मिलते ही वहां को गिरफ्तार कर लिया। मृतक उग्रवादी वहां से भागने लगे। पुलिस पहुंची और दो उग्रवादियों अभय नायक उग्रवादी संगठन का फिलहाल पुलिस पुरे मामले की

चंदवा थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में ईट भट्टा में रंगदारी मांगने आए थे बदमाश

🗕 मृतक अभय पर कई आपराधिक मामले थे दर्ज कई बार जा चुका था जेल

गौरतलब है कि अभय नायक जिला बदर घोषित

था। उस पर कई आपराधिक मामले दर्ज थे। क्षेत्र

में दहशत बनाकर लोगों से रंगदारी वसलना

इसका मुख्य धंधा था। उसके आतंक से लोग

 पहुंचते ही उग्रवादियों ने संचालक और कुछ मजदूरों को शुरू कर दिया पीटना

• फायरिंग भी की और एक बाइक उटाकर भागने लगे तभी भड़क गए मजदूर

🗕 घटना की सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस, दो उग्रवादियों को किया गिरफ्तार

घायल अवस्था में उग्रवादी को पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

बताया जाता है कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम ने तत्काल इलाके की घेराबंदी करते हुए घायल उग्रवादी अभय नायक उर्फ किशोर के साथ–साथ दो अन्य उग्रवादियों को हिरासत में ले लिया। अभय नायक की स्थिति गंभीर रहने के कारण उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत

कुमार गौरव ने बताया कि देर रात उग्रवादियों के द्वारा रंगदारी वसूलने के लिए ईंट भट्टा संचालक और मजदूरों के साथ मारपीट की गई। घटना से आक्रोशित मजदूरों ने एक उग्रवादी की जमकर पिटाई कर दी। जिसे घायल अवस्था में पलिस ने अस्पताल पहंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पलिस ने दो अन्य

घोषित कर दिया। लातेहार एसपी उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। छानबीन कर रही है। एसपी कुमार कमांडर बताया जा रहा है। गौरव ने इसकी पृष्टि की है।

बजट के पूर्व हुई संगोष्टी में शामिल हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बोले-

जिला बदर घोषित किया गया था अभय नायक

मंईयां सम्मान योजना ने देश में बनाई पहचान

PHOTON NEWS RANCHI: मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में झारखंड

के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजदूगी में बजट पूर्व संगोष्ठी अबुआ बजट का आयोजन किया गया। इसमें उन्होंने कहा कि मंईयां योजना से न केवल झारखंड की पहचान पूरे देश में बनी है, बल्कि यह योजना महिलाओं व युवतियों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक बन गई है। उन्होंने कहा कि राज्य को बने 25 साल हुए हैं। हम कई क्षेत्रों में काम करना चाहते हैं। संसाधन होंगे तो चीजें आगे बढेंगी। उसके आधार पर ही बड़ी सोच की कल्पना की जा सकती है। उन्होंने कहा कि आज हमें खुद से कमाना है और उसे खर्च करना है।

अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने अबुआ बजट को लेकर दिए सुझाव

परेशान रहते थे। बताया जाता है कि वह कई बार

जेल भी जा चुका था। जेल से निकलने के बाद

वह फिर से उँग्रवादी संगठन में शामिल होकर

रंगदारी वसलने के काम में लग गया था।



आधी आबादी के लिए अलग से बजट

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार बाल विकास और महिला कल्याण मंत्रालय के तहत पूरे देश के लिए लगभग 25-26 हजार करोड़ रुपये का बजट निर्धारित करती है, जबिक झारखंड सरकार

अपनी आधी आबादी के लिए 15-16 हजार करोड़ रुपये का बजट अलग से आवंटित कर रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति पर कोई अतिरिक्त बोझ सरकार नहीं डालेगी।

महिलाओं को प्रति माह मिल रहे २५०० रूपये

मंईयां सम्मान योजना के तहत राज्य सरकार महिलाओं और युवतियों को हर महीने 2500 रुपये की राशि देती है। मुख्यमंत्री सोरेन ने इस योजना को लेकर जनता की प्रतिक्रिया का भी उल्लेख किया और कहा कि कुछ लोग इस योजना को लेकर अलग–अलग राय रखते हैं। लेकिन, राज्य सरकार का मानना है कि यह कदम महिला संशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार इस योजना के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने के लिए आंतरिक स्रोतों की तलाश कर रही है।

कार्यक्रम में लकड़ी का ढांचा गिरने से सात की मौत, ३९ घायल

जिले के बड़ौत में जैन समुदाय द्वारा आयोजित भगवान आदिनाथ के निर्वाण लड्डू पर्व पर मानस्तंभ परिसर में बना लकड़ी का एक ढांचा गिरने से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई। ३९ घायल घायल हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। जिलाधिकारी (डीएम) अस्मिता लाल ने कहा, बड़ौत में जैन समुदाय के एक कार्यक्रम में लकड़ी का ढांचा गिर गया। यह कार्यक्रम पिछले ३० वर्षों से यहां आयोजित किया जा रहा था इस बार कार्यक्रम के दौरान लकडी का ढांचा गिर गया और यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद 20 लोगों को छुट्टी दे दी गई और बाकी का इलाज चल रहा है। बाद में अपर जिलाधिकारी (एडीएम) पंकज वर्मा ने सात लोगों की मौत की पृष्टि की। एडीएम ने बताया कि सात लोगों की मौत हो गई और 39 घायलों का उपचार चल रहा है। घटना की जांच के विषय में पूछने पर एडीएम ने बताया कि फिलहाल राहत-बचाव का काम चल रहा है। हादसे की वजह पूछने पर उन्होंने बताया कि श्रद्धालु बड़ी संख्या में अस्थायी मंच की लकड़ी की सीढ़ियों पर चढ़ गए और अधिक भार होने की वजह से वह टूट गया। घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला



इजरायल ने कहा कि हमास की ओर BAGPAT: मंगलवार को बागपत

प्रशासन के अधिकारियों को घायलों

के समुचित उपचार के निर्देश दिए।

सीज फायर : इजरायल ने फिलिस्तीनी नागरिकों को गाजा लौटने की दी इजाजत



AGENCY NEW DELHI:

19 जनवरी को इजराइल-हमास में हुए सीजफायर के बाद 27 जनवरी को इजरायल ने फिलिस्तीनी नागरिकों नॉर्थ गाजा में लौटने की मंजुरी दी। अक्टूबर 2023 से जारी जंग के 15 महीने बाद 3 लाख से ज्यादा फिलिस्तीनी नागरिक रफा बॉर्डर और साउथ गाजा के इलाके से नॉर्थ गाजा की तरफ लौटे चुके हैं। जंग शुरू होने के बाद 10 लाख से ज्यादा लोग साउथ की तरफ चले गए थे। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में ज्यादा लोगों मारे गए हैं, जबकि 1.10 लाख से ज्यादा घायल हुए हैं। सीजफायर डील के तहत यह तय हुआ था कि इजराइल, 25 जनवरी से उत्तरी गाजा में फिलिस्तीनी लोगों को लौटने की अनुमति देगा। हमास ने गाजा के विस्थापितों की घरवापसी को अपनी जीत बताया है। हमास ने

- जंग के बाद 10 लाख लोगों ने छोडा था इलाका 3 लाख अब तक लौटे
- हमास ने गाजा के विस्थापितों की घरवापसी को बताया अपनी जीत
- इजरायली हमलों में 47 हजार से ज्यादा लोगों की गई जान, 1.10 लाख से ज्यादा घायल

कब्जे का प्लान फेल हो चुका इजरायली हमलों से 47 हजार से है। लोगों का अपने घर लौटना इजरायल की हार का संकेत है इजरायल ने सोमवार सबह 9 बजे नेत्जरिम कॉरिडोर को खोल दिया था। बीबीसी के मुताबिक, नेत्जरिम कॉरिडोर के खुलने के 2 घंटे के भीतर दो लाख विस्थापित फिलिस्तीनी पैदल गाजा की सीमा में घुसने में कामयाब हुए हैं। 2 घंटे के बाद गाड़ियों के लिए सीमा खोली गई।

१८ बंधकों को रिहा करेगा हमार

से जारी की गई सूची में 33 में 8 बंधक पहले ही मारें जा चुके हैं। सरकार के प्रवक्ता डेविड मेंसार ने इसकी पृष्टि की है। इसका मतलब है कि अब आने वाले समय में हमास सिर्फ 18 बंधकों को ही रिहा करेगा। इजराइल सीरफायर के पहले चरण में अब तक 7 बंधकों को रिहा कर चका है। सीजफायर समझौते के तहत इस हफ्ते हमास इजरायल के 6 नागरिकों को रिहा करेगा। इन्हें 3–3 के दो बैच में गुरुवार और शनिवार

कहा कि गाजा पर इजराइली



को रिहा किया जाएगा। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याह ने बताया कि रिहा होने वाले बंधकों में दो महिलाएं अर्बेल येहद और अगर बर्गर शामिल हैं। इन्हें हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को बंधक बना लिया था।

चतरा में 4.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा पारा

अभी कम होने का नाम नहीं ले रही है कनकनी

ठंड की रफ्तार ने बीच में कमजोर

होने के बाद झारखंड में एक बार फिर से तेजी पकड़ ली है। पिछले दिन-3 दिनों से बढ़ी हुई कनकनी कम होने का नाम नहीं ले रही है। मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड का यहां प्रभाव दिख रहा है। इससे पड़ोसी राज्यों में भी कंपाने वाली ठंड का एहसास लोगों को हो रहा है। इस बीच झारखंड का भी पारा एकबार फिर से गिरने लगा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राजधानी समेत आसपास के जिलों में कनकनी बहुत बढ़ गई है।



- कोहरा, दिन की धूप में भी ठंडी हवा करा रही सर्दी का एहसास
- सरायकेला में अधिकतम तापमान दर्ज किया गया 30.0 डिग्री सेल्सियस

अगले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में कोई बदलाव नहीं होगा।

सेहत की चिंता

सामान्य रूप से एक बार धूम्रपान करने पर 20 मिनट घट जाती है जिंदगी

लंबे समय तक सिगरेट पीने से सिकुड़ जाता है मस्तिष्क

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK

किसी भी प्रकार का नशा हमारी शारीरिक और मानसिक शक्ति को नष्ट करता है। लंबे समय तक नशा करते रहने से आयु काम हो जाती है। याद रखिए, शराब अगर हमारे शरीर के भीतर लीवर और आंतों को क्षतिग्रस्त करती है, तो सिगरेट लंबे समय तक पीने से हमारा मस्तिष्क सिकुड़ जाता है। हाल में हुए बड़े स्तर के रिसर्च से यह जॉनकारी मिली है कि धूँम्रपान एक बार करने से 20 मिनट हमारी जिंदगी कम हो जाती है। इससे स्पष्ट हो जाता है कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा है। एक सिगरेट अगर हमारी जिंदगी के 20 मिनट छीन लेती है, तो इससे खुद जागरूक होना जरूरी है। लंदन यूनिवर्सिटी से जुड़े वैज्ञानिकों ने यूनाइटेड किंगडम (यूके) में धूम्रपान करने वालों के जीवनकाल की जांच की है और इसके नतीजे जर्नल एडिक्शन में प्रकाशित हुए हैं। शोधकताओं के अनुसार केवल युके में 65 लाख से अधिक लोग रेगुलर धुम्रपान करते हैं। अध्ययन के दौरान पुरुषों के लिए ब्रिटिश डॉक्टर्स स्टडी और महिलाओं के लिए मिलियन वीमेन स्टडी के आंकडों का उपयोग किया गया है. ताकि यह समझा जा सके कि धूम्रपान से उम्र पर क्या प्रभाव पड़ता है।

पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं की आयु पर अधिक नकारात्मक असर डालती है सिगरेट डब्ल्यूएचओ के अनुसार, दुनिया में 130 करोड़ लोग कर रहे तंबाकू का सेवन • लंदन यूनिवर्सिटी से जुड़े जीवन के लिए घातक रसायन

स्वास्थ्य वैज्ञानिकों ने बड़े स्तर पर किया रिसर्च धूम्रपान करने वालों के जीवनकाल की व्यापक रूप से की गई है जांच

जर्नल एडिक्शन में सभी तथ्यों को एनालिसिस के साथ किया गया है प्रकाशित केवल ब्रिटेन में 65 लाख से अधिक लोग रेगुलर पीते हैं



दिमाग को बुढ़ा बना देती है धुम्रपान की लत

रिसर्च की एनालिसिस से यह बात सामने आई है कि धूम्रपान की लत समय से पहले दिमाग को बुढा बना देती है। धुम्रपान न करने वालों की तूलना में इसकी लत के शिकार

लोगों को अपनी याददाश्त, सोचने समझने, बोलने, सीखने और निर्णय लेने जैसे दिमागी कौशल में 85 फीसदी से अधिक की गिरावट का सामना करना पड सकता है।

इनमें 69 कैंसर कारक हैं। कैंसर पैदा करने वाले रसायनों में एसीटैल्डिहाइड, ऐरोमैटिक अमीन, हरताल, बेंजीन, बेरिलियम, ब्यूटाडाईन, कैडमियम, क्रोमियम, क्यूमेने,एथिलीन ऑक्साइड, फोरमेल्डीहाइड, निकेल, पोलोनियम–210, पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक, हाइड्रोकार्बन, तम्बाकु विशिष्ट नाइट्रोसेमाइन्स और विनाइल क्लोराइड शामिल हैं। रिसर्च में यह तथ्य उभर कर सामने आया है कि वैश्विक स्तर पर तंबाकू हर चार सेकेंड में एक जिंदगी को लील रही है। इसका मतलब की हर साल होने वाली 87 लाख मौतों के लिए सीधे तौर पर तंबाकू जिम्मेदार है। दुर्भाग्य से इनमें से 13 लाख लोग वो हैं, जो न चाहते हुए भी दूसरों द्वारा किए

धूम्रपान के कारण पैदा हुए धुंए का शिकार बन जाते हैं।

रिसर्च करने वाले वैज्ञानिकों ने बताया है कि तंबाकृ के धुएं में

मौजूद 7000 से अधिक रसायनों में 250 हानिकारक होते हैं।

लोहरदगा में सड़क दुर्घटना में दो की मौत, दो लोग हुए घायल

कई किलोमीटर तक मोटरसाइकिल को घसीटकर ले गया ट्रक, चालक धराया



टक में फंसी मोटरसाइकिल

AGENCY LOHARDAGA: शहरी क्षेत्र में तेज रफ्तार पिकअप ने तीन लोगों को कुचल दिया। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। घटना कचहरी मोड के पास की है। सवार मोटरसाइकिल को कई किलोमीटर तक लेकर घसीटता रहा। रास्ते में गाड़ी कई लोगों को टक्कर मारता रहा। शंख नदी पुलिस पिकेट के पहले सवारी गाड़ी खराब हो कर

रुक गया और उसमें आग लग गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और दो लोगों की मौत हो गई। मृतक का नाम लोहरदगा निवासी जमील कुरैशी और रामगढ़ निवासी उल्फत अंसारी शामिल है। घायलों का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है। सवारी गाड़ी का इंश्योरेंस, इंश्योरेंस और पॉल्युशन सहित अन्य कागजात फेल हैं। वाहन चालक को पुलिस ने

हजारीबाग पटना मार्ग के डीवीसी चौक के पास भारत सरकार लिखा एसयूवी वाहन ने छह लोगों को टक्कर मार दी । घटना मंगलवार की है। इसमें इब्राहिम अंसारी(22) की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। जानकारी के अनुसार अनियंत्रित एक्सयूवी

वाहन झील की तरफ से तेज

रफ्तार से आ रही थी।वाहन ने

पांच अन्य अलग अलग लोगों

को ठोकर मारते हुए फरार हो

गई। पांच अन्य घायलों को

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में

भर्ती कराया गया है। वाहन को

नगवां टोल प्लाजा के पास लोगों

द्वारा पकड लिया गया है। मतक

घटनास्थल पर जुटी भीड़

के परिजनों ने डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक स्थित ट्रैफिक थाना के पास आक्रोशित परिजन वाहन चालक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।उग्र लोगों ने कई बाइक सवार लोगों पर लाठियां भी बरसाया।

अनियंत्रित वाहन ने छह को मारी टक्कर, एक की मौत

इधर सड़क जाम देखते ही ट्रैफिक पुलिस भी अपने कार्यालय से फरार हो गए। उग्र लोगों द्वारा हजारीबाग यातायात पुलिस के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी

• फोटोन न्यज

वयोवृद्ध सनिका मुंडा



समाज के वरिष्ठ नेता और आरएसएस के पूर्व जिला कार्यवाह सनिका मुंडा का मंगलवार को रेफरल अस्पताल तोरपा में निधन हो गया। 80 वर्षीय सनिका मुंडा सरना समाज के सर्वमान्य नेता के साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेता थे। सनिका मंडा के निधन पर पर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, तोरपा कें विधायक सुदीप गुड़िया, खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा, पूर्व विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, पूर्व विधायक कोचे मुंडा, डॉ निर्मल सिंह सिहत कई लोगों ने संवेदना व्यक्त की है। सनिका मुंडा का अंतिम संस्कार 29 जनवरी को उनके पैतृक गांव चंपाबाहा, तपकारा में होगा। सनिका मुंडा अखिल भारतीय सरना समाज के केंद्रीय अध्यक्ष और आरएसएस के गुड़िया के साथ मधुबन थाना

गिरिडीह में हथियार के साथ नक्सली दपती हुए गिरफ्तार



GIRIDIH: गिरिडीह पलिस लगातार सर्च ऑपरेशन के जरिये प्रतिबंधित भाकपा माओवादियों के नक्सिलयों को गिरफ्तार कर रही है। इसी क्रम में एक बार फिर सीआरपीएफ के साथ जिला पुलिस ने एसपी डॉक्टर विमल कुमार को मिले गुप्त सूचना पर दो नक्सली पति -पत्नी को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को मधुबन थाना में प्रेसवार्ता कर एएसपी अभियान सुरजीत कुमार और एसडीपीओ सुमित प्रसाद ने संयुक्त रूप सेबताया कि जमुआ थाना इलाके के गनियाडीह गांव निवासी तालेश्वर हांसदा उर्फ सेरमा अपनी पत्नी मालती मुर्मू उर्फ गुडी उर्फ

इलाके के टेसाफुली जंगल के पहाडी इलाके में किसी बडे नक्सली दस्ते के शीर्ष नेताओं से मिलने जा रहे थे। इस सूचना के आधार पर एएसपी सुरजीत कुमार और एसडीपीओ सुमित प्रसाद के नेतृत्व में सीआरपीएफ और जिला पुलिस बल की टीम ने सर्च ऑपरेशन के तहत हार्डकोर प्रयाग मांझी दस्ते के सक्रिय सदस्य रहे पति पत्नी नक्सली तालेश्वर हांसदा और मालती मुर्मू को गिरफ्तार करने में सफल रही। इनके पास से नाइन एमएम पिस्टल और दो गोली बरामद किया गया है। पूछताछ के दौरान दोनो नक्सली पति- पत्नी ने कबला कि वो दोनों नक्सली

BRIEF NEWS

विधायक डॉ. नीरा यादव ने संगम में लगाई डुबकी



KODERMA: स्थानीय विधायक और झारखंड की पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव ने अपने परिजनों और समर्थकों के साथ संगम में डुबकी लगाई। विधायक डॉ नीरा यादव सोमवार को प्रयागराज पहुंचीं। वे महामंडलेश्वर बाबा सुखदेव दास के शिविर पहुंचने पर कई लोगों ने उनका स्वागत किया। संगम में डुबकी लगाने के बाद भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया और मां गंगा की पूजा आराधना की। उन्होंने कहा कि महाकुंभ दिव्य है और यूपी सरकार की व्यवस्था भी अद्भुत है। लाखों करोड़ों की भीड़ के बाद भी निरंतर साफ सफाई तो वहीं लोगों को कोई परेशानी नहीं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में आकर और संगम में डुबकी लगाकर धन्य महसूस कर रही हूं। पवित्र गंगा जल में सदियों से साधु, संत और महात्मा आते रहे हैं। महाकुंभ सनातन संस्कृति की अविरल धारा का अद्वितीय प्रतीक है। कुंभ हमारे सनातन जीवन-दर्शन को दर्शाता है। धर्म नगरी प्रयागराज में एकता और अखंडता के इस जुटान में संगम स्नान करने और संतजनों का आशीर्वाद लेने का मौका मिला। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा मौका जीवन में कभी कभी ही मिलता है, सभी सनातिनयों को महाकुंभ में पवित्र संगम स्नान करना चाहिए। विधायक के साथ उनके पति विजय यादव, पत्र हर्षित कष्ण के अलावा रमेश प्रसाद यादव, संजीव समीर, धर्मेंद्र कुमार बंशी, बिनोद कुमार मुन्ना, महेंद्र यादव, उमा देवी, सुशीला देवी, रूपा देवी, मधु कुमारी, ललिता देवी, कविता देवी, नरेंद्र सिंह, संजय सिंह, उत्तम कुमार, रंजन कुमार, राजू चौधरी, नीलेश उर्फ निक्कू आदि ने भी पवित्र संगम में डुबकी लगाई। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मंगलवार को विधायक की ओर से दी गई।

शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर दायरे में तंबाकू निषेध



RAMGARH: रामगढ जिला तंबाक नियंत्रण कोषांग के जरिये मंगलवार को सिविल सर्जन कार्यालय में शिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। ज़िला नोडल पदाधिकारी डॉ तुलिका रानी की अध्यक्षता में संपन्न हुए प्रशिक्षण शिविर में डॉ नितेश कुमार और परामर्शी बिनय शर्मा की ओर से शिक्षकों को विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी दी गई। इस दौरान तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान के गाइड लाइन को पूर्ण कैसे किया जाय इस पर चर्चा हुई। गाइड लाइन के अनुसार किसी भी शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे यानी लगभग 300 फुट के दायरे में किसी भी दुकानदार के जरिये तंबाकू उत्पाद नहीं बेचा जाएगा। यदि ऐसा होता है तो शिक्षण संस्थान उसकी शिकायत नजदीकी थाना प्रभारी से लिखित रूप से करेंगे। शिक्षण संस्थानों द्वारा सभा मे तंबाकू निषेध शपथ का आयोजन करेंगे। सभी शैक्षणिक संस्थानों द्वारा अपने मुख्य द्वार पर तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान का साइनेज एवं परिसर के अंदर तंबाकू मुक्त परिसर का

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी लोगों की समस्या



महिला की समस्या सुनतीं उपायुक्त नैन्सी सहाय

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी कार्यालय कक्ष में जनता दरबार लगाया, जिसमें विभिन्न प्रखंडों से आए ग्रामीणों ने अपनी समस्या सुनाई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन अग्रसारित करते हुए निर्धारित समयसीमा में निष्पादित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में मोसमात नगीया मोसिफ्फल, थाना, गुलाम सरवार कटकमसांडी क्षेत्र के निवासी ने उपायुक्त से ऑनलाइन रसीद निर्गत

करने और बरही के रहने वाले भगत कुमार सिंह ने सर्वे के रास्ते में बनी नाली को मिट्टी तथा पत्थर से भर दिए जाने के संबंध में निवेदन किया। राजेश्वर महतो विष्णुगढ़ ने, धान अधिप्राप्ति केंद्र में धान जमा नहीं लेने के संबंध में, मालती कुमारी ओकनी ने अपनी जमीन की बंदोबस्ती किए जाने के संबंध में निवेदन किया। इसके अलावा जनता दरबार में रोजगार, जमीन के दाखिल-खारिज, जमीन हड़पने, राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन आदि से

धनबाद में आभूषण दुकान से तीन लाख के जेवरात चोरी, नहीं तोड़ सके लॉकर

एक अन्य ज्वेलरी शॉप में भी की सेंधमारी, लेकिन नहीं हुए सफल

AGENCY DHANBAD:

चोरों ने सोमवार की रात निरसा थाना क्षेत्र के दो ज्वेलर्स की दुकान पर धावा बोला। निरसा-जामताड़ा रोड स्थित बर्मन ज्वेलर्स दुकान का शटर तोड़कर चोरों ने लगभग तीन लाख रुपये के जेवरात चुरा लिए। वहीं निरसा एनएच-19 पर शुभम ज्वेलर्स नामक दुकान के पीछे दीवार में चोरों ने सेंधमारी का प्रयास किया, परंतु चोरों को वहां सफलता नहीं मिली। घटना की सूचना पाकर निरसा थाने की पुलिस पहुंची तथा घटनास्थल का जायजा लिया। इस संबंध में भुक्तभोगी दुकानदार मुकेश बर्मन ने निरसा थाना में शिकायत की है। बताया कि प्रतिदिन की भांति



इसी दुकान में हुई चोरी सोमवार की शाम 7.30 बजे दुकान बंद कर बंगाल पाड़ा स्थित अपने आवास चला गया था। मंगलवार की सुबह बगल के दुकानदार एवं मकान मालिक ने मोबाइल पर सूचना दी कि आपके दुकान का शटर टूटा हुआ है। मैं दुकान पहुंचा तो देखा कि चोरों ने

सागर बर्मन अपनी मां का इलाज कराने के लिए 18 जनवरी से वेल्लोर गए हैं। इस कारण दुकान

बांस से शटर को उठा दिया है। उसके बाद चोरों ने दुकान के अंदर घसकर तिजोरी को भी खोलने का

शुभम ज्वेलर्स की

दीवार में सेंधमारी

चोरों के दल ने निरसा एनएच–19 के

किनारे शुभम ज्वेलर्स दुकान के पीछे

दुकान के पीछे 5 इंच के ईंट की बनी

कान को तोड़ दिया था। परंतू ईंट

की दीवार के बाद पक्की ढलाई की

भी दीवार थी, जिसे चोर नहीं तोड़

पाए। इस कारण शुभम ज्वेलर्स चोरी

से बच गई। शुभम ज्वेलर्स के मलिक

की दीवार में सेंधमारी कर वहां भी

वोरी का प्रयास किया। वोरों ने

प्रयास किया, परंतु तिजोरी का एक लॉक नहीं टूटा। चोरों ने काउंटर में रखी एक सोने की चेन, एक सोने का झुमका, 3 जोड़ी पायल, एक ब्रेसलेट एवं गणेश जी की चांदी की 3 मूर्ति तथा काउंटर में रखा 2100 रुपये नकद लेकर भागने में सफल रहे। चोरी गए सामान की कीमत लगभग 3,00,000 रुपये है।

छत पर हो रहे निर्माण कार्य के बांस का किया इस्तेमाल : बर्मन ज्वेलर्स की दुकान की छत के ऊपर मकान मालिक द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है। चोरों ने छत पर निर्माण कार्य के लिए इस्तेमाल होने वाले बांस से ज्वेलर्स दुकान का शटर तोड़ने में

डीडीसी ने की विकास कार्यों की समीक्षा, दिए कई निर्देश

रामगढ़ डीडीसी रोबिन टोप्पो की अध्यक्षता में मंगलवार को जिले में अनाबद्ध निधि, पर्यटन विकास एवं डीएमएफटी के माध्यम से हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान डीसी ने कई दिशा निर्देश दिए। इस दौरान डीडीसी ने डीएमएफटी के तहत संचालित विभिन्न कार्यकारी एजेंसियों के जरिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली।

उन्होंने सभी कार्यकारी एजेंसियों को उनके तहत किए जा रहे हैं। योजनाओं को जल्द से जल्द पर्ण करने का निर्देश दिया। जिला अनाबद्ध निधि एवं डीएमएफटी के माध्यम से संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए डीडीसी ने अब तक हुए कार्यो की विस्तार से जानकारी ली। वित्तीय वर्ष



बैठक को संबोधित करते डीडीसी रोबिन टोप्पो

2024-25 में स्वीकृत योजनाओं को पर्ण कराने का निर्देश दिया। पर्यटन विकास की दिशा में जिले में हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में डीडीसी ने पर्यटन स्थलों पर चल रहे विकास कार्यों की

उन्हें जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने जिले में अन्य पर्यटन स्थलों को चयनित कर उन्हें पर्यटन स्थल के

• फोटोन न्यूज रूप में विकसित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान सिविल

सर्जन, प्रभारी पदाधिकारी विकास शाखा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, जिला जिला अधीक्षक, स्तरीय पदाधिकारियों, कार्यपालक अभियंताओं, अभियंताओं सहित

प्रधान लिपिक ने बरती अनियमितता डीसी ने की कार्रवार्ड

RAMGARH : रामगढ जिले में एनएच 33 के चौडीकरण अंतर्गत अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान में वित्तीय अनियमितता संबंधित मामले में भू अर्जन कार्यालय के तत्कालीन प्रधान लिपिक प्रवीण कुमार सिन्हा के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। मंगलवार को डीसी चंदन कुमार ने बताया कि प्रवीण सिन्हा के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप. जरिये संचालन पदाधिकारी के समक्ष समर्पित बचाव बयान एवं संचालन पदाधिकारी के मंतव्य की समिक्षोपरांत आरोपों को प्रमाणित किया गया है। प्रवीण कमार सिन्हा के विरुद्ध झारखंड पेंशन नियमावली के नियम 45 बी के तहत स्थाई तौर पर 10 प्रतिशत पेंशन से राशि कटौती का दंड डीसी के जरिये अधिरोपित किया

कोरोना काल में बंद हुई ट्रेनों का फिर शुरू होगा टहराव

अफीम की खेती के खिलाफ एक माह तक चलाएं अभियान : डीसी



बैठक को संबोधित करते उपायुक्त लोकेश मिश्रा

• फोटोन न्यूज

KHUNTI: उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ ही संबंधित विभाग को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे अफीम की अवैध खेती के खिलाफ एक महीने तक लगतार चलायें। उपायुक्त मंगलवार को समाहरणालय स्थित सभागार में नार्को को ऑर्डिनेशन सेंटर की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उपायुक्त ने मादक द्रव्य पदार्थों के नियंत्रण के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। बैठक में पुलिस विभाग एवं एनकॉर्ड से संबंधित अधिकारियों के जरिये अफीम की खेती के मामले में की गई एफआइआर एवं अन्य कार्रवाई की जानकारी ली गई। प्रस्तुत प्रतिवेदनों के सभी बिंदुओं की उपायक्त के जरिये समीक्षा की गयी और सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश

उपायुक्त ने कहा कि 30 जनवरी से अगले एक माह तक जिले में विशेष अभियान चलाते हुए अफीम विनष्टीकरण को सुनिश्चित किया जाए। ट्रैक्टर, ग्रास कटर एवं अन्य माध्यमों से अफीम के फसलों को नष्ट करने एवं एफआइआर समेत अन्य कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मैट्रिक-इंटर परीक्षा का डाउनलोड नहीं हो रहा एडमिट कार्ड, छात्र हुए परेशान

PHOTON NEWS JSR:

झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) आठवीं व नौवीं की बोर्ड परीक्षा स्थगित कर चुका है और अब 11 फरवरी से होने वाली मैट्रिक और इंटर की परीक्षा पर संशय के बादल मंडरा रहे हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जैक ने अभी तक मैट्रिक व इंटर का एडिमट कार्ड जारी नहीं किया है। परीक्षा को लेकर जो नोटिफिकेशन जारी किया गया था, उसके तहत मैट्रिक का एडिमट कार्ड 25 जनवरी से तो 28 जनवरी यानी मंगलवार से इंटरमीडिएट कला, विज्ञान और वाणिज्य स्ट्रीम के परीक्षार्थियों का एडिमट कार्ड डाउनलोड होना है। लेकिन न तो मैट्रिक का और न ही इंटर का एडिमट कार्ड जैक ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड किया है। इससे लाखों छात्र परेशान हैं। एडिमट कार्ड समय

 11 फरवरी से मैट्रिक व 28 से होनी है इंटरमीडिएट परीक्षा, 7 लाख से अधिक

• जैक अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का पद रिक्त होने से 8वीं व 9वीं की बोर्ड परीक्षा हो चुकी रद्द

पर मिलने पर अगर उसमें किसी प्रकार की गलती होती है तो उसमें सुधार के लिए टाइम मिल जाता। इसके साथ ही छात्रों को यह भी पता चल जाता है कि उनकी परीक्षा किस केंद्र पर होगी। इससे छात्र परीक्षा से पूर्व केंद्र व अन्य सभी जानकारी को लेकर निश्चित हो जाते हैं, लेकिन एडिमट कार्ड जारी नहीं होने से वे परेशान हैं। वहीं एडिमट कार्ड नहीं जारी होने की मुख्य वजह जैक अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का पद 18 जनवरी से रिक्त होने को बताया जा रहा 8वीं व 9वीं की बोर्ड परीक्षा स्थगित कर चुका है जैक

जैक अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का पद खाली रहने के कारण परीक्षाओं को लेकर इस तरह की स्थितियां सामने आई हैं। क्योंकि परीक्षा से संबंधित सभी तरह की गोपनीय जानकारी जैक अध्यक्ष को होती है। बताते चलें कि आठवीं की परीक्षा 28 जनवरी और नौवीं की परीक्षा 29 जनवरी से शुरू होने वाली थी। इन दोनों परीक्षाओं में करीब 10 लाख स्टूडेंट्स शामिल होने वाले थे। मैट्रिक और इंटर में सात लाख से अधिक स्टूडेंट्स शामिल होने वाले हैं। जानकारों का कहना है कि मैट्रिक और इंटर की परीक्षा तिथि टली तो समय पर रिजल्ट प्रकाशन करना मुश्किल होगा। 8वीं से 12वीं बोर्ड परीक्षा में 20 लाख से अधिक स्टूडेंट्स हैं।

AGENCY DHANBAD:

आम बजट से ठीक पांच दिन पूर्व मंगलवार को धनबाद रेल मंडल कार्यालय में संसदीय समिति की बैठक हुई। रेल जीएम छत्रसाल सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में धनबाद रेल मंडल अंतर्गत पड़ने वाले सभी लोकसभा और राज्यसभा सांसद या उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में सांसदों और प्रतिनिधियों के जरिये अपने अपने क्षेत्र के स्टेशनों पर यात्री सुविधा बढ़ाने, नई ट्रेन चलाने और ट्रेनों का विस्तार करने की मांग रखी गई। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि बैठक में उन्होंने विशेष रूप से अपने क्षेत्र के लिए तीन मांगे रखी है, जिनमे सबसे पहला, कोरोना काल से पूर्व जो ट्रेन उनके लोकसभा क्षेत्र के स्टेशनों पर रुकती थी, उन ट्रेनों का ठहराव पुनः दिया जाए। इसके साथ



आम बजट से पहले हुई धनबाद रेल मंडल कार्यालय में संसदीय समिति की बैठक

रेलवे कार्य समिति की बैठक में सांसद वीडी राम व अन्य

ही छह अंडर पास बनाने, चंदवा में फ्लाईओवर का निर्माण और रांची-टोरी ईएमयू को चतरा तक विस्तारीकरण करने की मांग रखी गई है। वहीं बैठक में मौजूद गिरिडीह सांसद सीपी चौधरी ने कहा कि बैठक में खास तौर पर इस बात पर चर्चा हुई कि ट्रेनों की संख्या बढ़े, लेकिन ट्रेन लेट न हो, ससमय ट्रेन अपने गंतव्य तक पहुंचे। इसके साथ ही रेल ट्रैक गुजरने वाले इलाकों के लोगों की भी सुविधा का ख्याल रखने और

अमृत भारत योजना के तहत रेल यात्रियों को स्टेशन पर एयरपोर्ट की तरह सुविधा मुहैया कराने पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही पलामू के सांसद बीडी राम ने कहा कि उनके पलामु संसदीय क्षेत्र में जो त्रिवेणी लिंक एक्सप्रेस चला करती थी, उसे पुनः चालू की जाए, अथवा उसकी जगह कोई अन्य ट्रेन शुरू की जाए, ताकि उनके क्षेत्र के लोग खास कर कैंसर पेसेंट का अन्य राज्यों के अस्पतालों तक पहुंच आसान हो सके।

केंद्रीय इस्पात मंत्री ने किया सेल की टासरा और चासनाला परियोजना का दौरा

DHANBAD : केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच .डी . कुमार स्वामी एवं

इस्पात एवं भारी उद्योग राज्यमंत्रीभूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा ने मंगलवार को सेल की टासरा ओपन कास्ट परियोजना एवं चासनाला वाशरी का निरीक्षण किया। इस दौरान सेल के चैयरमेन अमरेंद्र प्रकाश भी उनके साथ थे। टासरा परियोजना आगमन पर धनबाद उपायुक्त माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन एवं सेल के वरीय पदाधिकारियों ने पृष्पगुट्छ देकर उनका स्वागत किया। वहीं सेल के महाप्रबंधक शिवराम बनर्जी ने केंद्रीय मंत्रियों को टासरा परियोजना की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया कि टासरा परियोजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना हैं। यह परियोजना ४ मिलियन टन वार्षिक क्षमता की परियोजना है, जिसमें वाशरी का निर्माण भी शामिल है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से स्थानीय क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों का विकास होगा एवं रोजगार के अवसर बढेंगे। वहीं केंद्रीय इस्पात मंत्री ने कोल माइन के ले-आउट आदि का निरीक्षण कर कहा कि यह परियोजना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक कदम है एवं इस परियोजना से कोकिंग कोल के आयात में कमी आयेगी, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार की बचत होगी।















THE PH©TON NEWS www.thephotonnews.com

Wednesday, 29 January 2025

O BRIEF NEWS

जिम्नास्टिक एसोसिएशन के खिलाडियों ने सीएम से की मुलाकात

RANCHI: मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड जिम्नास्टिक एसोसिएशन के खिलाड़ियों ने मुलाकात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि 10 से 13 जनवरी तक जम्मू में आयोजित राष्ट्रीय एरोबिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में झारखंड के जिम्नास्टों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक हासिल किए। उन्होंने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि उत्तराखंड में आयोजित होने वाले नेशनल गेम्स के ऐरो डांस इवेंट के लिए झारखंड के पांच खिलाड़ियों की टीम ने क्वालीफाई किया है। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को पदक जीतने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर झारखंड जिम्नास्टिक एसोसिएशन के एडिमन सेक्रेटरी दीपक कुमार साहू के साथ जिम्नास्ट विकासं कुमार गोप, चाहत कुमार केरकेट्टा, दीपिका लामा, आयुष, श्री टोन गोपाल, अमित गोप, अनुराग कुमार, हेमा कुमारी तथा प्रिया यादव शामिल थीं।

सीएम से मिले शिवरात्रि महोत्सव समिति के सदस्य RANCHI: मंगलवार को मुख्यमंत्री

हेमंत सोरेन से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में शिवरात्रि महोत्सव समिति, बाबा वैद्यनाथ धाम देवघर के सदस्यों ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को 26 फरवरी को बाबा मंदिर देवघर में आयोजित होने वाले शिव बारात समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में शिवरात्रि महोत्सव समिति के अध्यक्ष अभिषेक आनंद, पंडा धर्मरक्षिणी सभा देवघर के पूर्व महासचिव कार्तिक नाथ ठाकुर, मंत्री अरुणानंद झा, चंद्रशेखर खवाड़े, अपूर्वार्नंद झा और धर्मेंद्र सिंह शामिल

अपीलीय न्यायाधिकरण के सदस्य की नियुक्ति प्रक्रिया तेज

RANCHI: रांची क्षेत्रिय विकास प्राधिकार के अंतर्गत कार्यरत अपीलीय न्यायाधिकरण के सदस्य प्रथम के पद पर नियुक्ति के लिए कमेटी गठित की गई है। इस पद के लिए नगर विकास विभाग ने विज्ञापन जारी किया हुआ है जिसके बाद प्राप्त आवेदन की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी गठित की गई है। निदेशक, नगरीय प्रशासन निदेशालय को अध्यक्ष बनाया गया है। मुख्य अभियंता रांची क्षेत्रिय विकास प्राधिकार, अपर सचिव नगर विकास विभाग ज्योत्सना सिंह, कार्मिक विभाग द्वारा मनोनित प्रतिनिधि व परियोजना निदेशक जुडको को सदस्य नियक्त किया गया है। समिति एक सप्ताह में आवेदन की समीक्षा कर अपनी अनुशंसा नियुक्ति के लिए

बिना रजिस्ट्रेशन के प्ले स्कूल चलाने वालों पर होगी कार्रवार्ड

RANCHI: रांची जिला प्रशासन की नजर बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित होने वाले प्ले स्कूलों पर है। साथ ही ऐसे प्ले स्कूल जिन्होंने अवधि पार होने के बाद अपना निबंधन नवीकरण नहीं कराया है. उस पर एक्शन लेने की तैयारी है। इस संबंध में जिला समाज कल्याण शाखा, रांची की ओर से सूचना जारी करते कहा गया है कि जिन प्ले स्कूलों का रजिस्ट्रेशन नहीं है और जिनका निबंधन नवीकरण नहीं हुआ है। वे 15 फरवरी तक रजिस्ट्रेशन और नवीकरण करा लें। इससे संबंधित प्रमाण पत्र के लिए समाहरणालय के बी ब्लॉक स्थित कमरा संख्या ११३, रांची में निर्धारित फॉर्मेट में आवेदन करें। इस अवधि तक ऐसा नहीं करने वालों के खिलाफ लीगल एक्शन लिया जाएगा।

एक्शन : अतिक्रमण मुक्त अभियान के तहत की गई कार्रवाई

अवैध निर्माण को नगर निगम की टीम ने बुलडोजर से किया ध्वस्त

रांची नगर निगम की एनफोर्समेंट टीम जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर राजधानी की सड़कों पर संयुक्त रूप से अतिक्रमण मुक्त अभियान चला रही है। इस अभियान का उद्देश्य सड़क पर अवैध अतिक्रमण और अस्थायी संरचनाओं को हटाना है, ताकि यातायात की व्यवस्था सुचारू रहे। वहीं सड़क पर सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मंगलवार को चलाए गए अभियान के दौरान निगम की टीम ने अवैध रूप से खड़े ठेलों, खोमचों, बास-बल्लियों और अन्य अस्थायी व्यापारिक प्रतिष्ठानों को जब्त किया। इसके अलावा नो वेंडिंग जोन के तहत अवैध-अस्थायी रही संरचनाओं को भी बुलडोजर ध्वस्त कर दिया गया। इसके अलावा रोड किनारे पार्क की गई गाडियों को भी हटाया जा रहा है। वहीं कार

यातायात व्यवस्था को सुहढ़ करने के लिए लगातार किया जा रहा प्रयास



समाप्त की जाएगी अतिक्रमण की समस्या

रांची नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे, ताकि शहर में अतिकमण की समस्या को पूरी तरह से समाप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सुरक्षित, साफ और व्यवस्थित सड़के

कहा कि माइकिंग के माध्यम से सभी को सूचना दी जा रही है कि लोग अवैध संरचनाओं को हटा लें। अगर वे खुद से नहीं हटाएंगे तो निगम उसे हटाएगा। वहीं सामान जब्त कर टीम साथ ले जाएगी।

प्रदान करना हमारा उद्देश्य है। साथ ही

मालिकों को ढूंढकर उनपर भी लंबे समय से रोड किनारे गाड़ियों कार्रवाई की तैयारी है। जिन्होंने को पार्क कर छोड दिया है। रांची टेड लाइसेंस के संचालित 18 प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया गया। यह कही गई। उन्हें तीन दिनों के भीतर अभियान नगर प्रशासक के निर्देश पर नगर निगम की टीम चला रही है। गया। साथ ही सभी दुकानदारों को अपने लाइसेंस को दुकान के बाहर प्रदर्शित करने का भी निर्देश दिया

इसके तहत निगम के टैक्स कलेक्टरों की चार टीमों का गतन किया गया है। टीमों ने वार्ड 14 से 24 तक विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में सघन जांच की। इसमें कलेक्शन एजेंसी मेसर्स श्री पब्लिकेशन और पीएमसी के प्रतिनिधि भी शामिल थे। बता दें कि सहायक प्रशासक दिलीप कुमार के नेतृत्व में सर्कुलर रोड स्थित हरिओम टावर में

एक जांच अभियान चलाया। इसमें बिना

में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में

बिना ट्रेड लाइसेंस के चल रहे १८ प्रतिष्टानों को नोटिस जारी

लाइसेंस की जांच की गई। जिसमें 18 दुकानों में लाइसेंस न होने की बात लाइसेंस प्राप्त करने का निर्देश दिया गया। संचालकों को टीम ने बताया कि झारखंड नगरपालिका अधिनियम २०११ और म्यूनिसिपल ट्रेड लाइसेंस रूल्स 2017 के तहत बिना लाइसेंस के व्यापार संचालित करना अपराध है। इसके लिए एक्ट के तहत दंड का प्रावधान है।

देखी जा रही है।

गैंगस्टर सुजीत व उसकी पत्नी रिया की संपत्ति जब्त करेगी पुलिस व एटीएस

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड पुलिस और एटीएस (एंटी टेरेरिस्ट स्क्वाड) जेल में बंद गैंगस्टर सुजीत सिन्हा और उसकी पत्नी समेत गैंग के सदस्यों और करीबी लोगों की संपत्ति की जानकारी जुटा रही है। अलग-अलग जगहों पर किये गये निवेश का ब्यौरा जुटा रही है। पुलिस और 🛮 कई जिलों में तलाशी जा एटीएस को मिली जानकारी के रही प्रॉपर्टी मुताबिक सुजीत सिन्हा और उसकी पत्नी के नाम रांची के पत्नी रिया सिन्हा ने रांची,पलाम्, पॉश इलाके में हैं हजारीबाग, रामगढ़, चतरा और आलीशान फ्लैट लातेहार जिले में संपत्ति खरीदी है। संगठित आपराधिक यह संपत्ति रिया सिन्हा और गैंग से गिरोहों के निशाने पर हैं जडे लोगो के नाम पर खरीदी गई कोयला, जमीन और है। जिसमें कछ सफेदपोश लोग भी रियल ईस्टेट कारोबारी शामिल है। पुलिस को यह

की डीटेल पुलिस निकाल रही है। संपत्ति की जानकारी मिलने के बाद पलिस और एटीएस सभी संपत्ति को जब्त करने की कार्रवाई कर सकती है। दरअसल झारखंड में कोयला कारोबारी, जमीन और रियल ईस्टेट कारोबारी और ट्रान्सपोर्टर संगठित आपराधिक

अचल संपत्ति में निवेश किया है। सुजीत की पत्नी के नाम पर रांची के पॉश इलाके में एक आलीशान फ्लैट है और उसके नाम पर कई बैंक अकाउंट भी हैं। उन बैंक अकाउंट के जरिये हुए ट्रांजेक्शन

सीएम से मिली कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की बैंड टीम

बेटियों ने शानदार प्रदर्शन कर देश में झारखंड का नाम किया रोशन : हेमंत

मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत

सोरेन से कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पटमदा, पूर्वी सिंहभूम की बैंड टीम ने मुलाकात की। उन्होंने 24-25 जनवरी 2025 को दिल्ली में आयोजित नेशनल स्कूल बैंड कॉम्पटीशन-2025 में पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस सफलता के बाद मुख्यमंत्री ने बैंड टीम की छात्राओं को बधाई दी और उन्हें सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने बैंड टीम से कहा कि आप सभी ने अपनी कड़ी मेहनत और शानदार प्रदर्शन से झारखंड का नाम पूरे देश में रोशन किया है। यह राज्य के लिए गर्व की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि एक सरकारी विद्यालय की छात्राओं ने बैंड प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा को दिखाते हए झारखंड का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने भविष्य में टीम न केवल प्रथम स्थान पर



मुख्यमंत्रा ने बताई योजनाएं मौके पर झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विद्यार्थियों में अपार प्रतिभा है और वे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने सरकार की योजना का उल्लेख किया, जिसमें बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा को उजागर करने और उन्हें बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं।

और बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी और आश्वस्त किया कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के लिए बेहतर प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। नेशनल स्कल बैंड कॉम्पटीशन में यह

रही, बल्कि इसने नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में भी बैंड डिस्प्ले किया। यह झारखंड के लिए पहला अवसर था जब राज्य की किसी बैंड टीम ने गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लिया।

डॉ. इरफान अंसारी की बाबूलाल को नसीहत, कहा

जिंदगी बर्बाद न करें, हंसते रहें खेलते रहें व स्वस्थ रहें मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी रह-रहकर सर्खिय़ीं में बने रहते हैं। इस बार उन्होंने भाजपा के प्रदेश

बाबलाल मरांडी को नसीहत देकर सर्खियां बटोरने की कोशिश की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने लिखा है कि आप (बाबलाल) बेवजह टवीट कर लोगों को जलील कर रहे हैं। जानबूझ कर झगड़ा करने में

समय बर्बाद न करें। जिंदगी दोबारा वापस नहीं मिलती। गस्से में, नफरत में नाराजगी में, किसी को फंसा कर, किसी पर झुठा लांछन लगाकर, हर बात पर बेवजह ट्वीट कर, लोगो को जलील कर एवं जानभूझ कर झगडा करने में जिंदगी बर्बाद न करें। हंसते रहें, खेलते रहें और स्वस्थ रहें। इरफान ने लिखा है कि आदरणीय बाब्रलाल मरांडी जी जिंदगी दोबारा वापस नहीं मिलती। जरूरत पड़ी तो मुझे बुलाकर अपना इलाज करायें फुल बॉडी चेस्कप फ्री

जैक अध्यक्ष का पद रिक्त होने के कारण छात्रों का भविष्य अधर में लटका : बाबुलाल

(जेईपीसी) के स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर

शशि रंजन, स्टेट नोडल अफसर धीरसेन

सोरेंग, फिजिकल एजुकेशन शिक्षक निशा

पन्ना, प्रशिक्षक प्रेम राणा, पंजाब रेजिमेंटल

सेंटर रामगढ़ के जरनैल सिंह और

अमरवीर सिंह भी मौजूद थे।

RANCHI: भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के अध्यक्ष का पद रिक्त होने के कारण लाखों छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है। करीब २१ लाख छात्र, जिनकी मैट्रिक-इंटर और अन्य बोर्ड परीक्षाएं तय समय पर होनी चाहिए थीं, वो जैक अध्यक्ष का पद रिक्त होने की वजह से बाधित हो सकती है। यदि समय पर परीक्षाएं नहीं हुईं, तो छात्रों को अगले शिक्षण सत्र में नामांकन लेने में भी काफी परेशानी होगी। मरांडी ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि इसी तरह जेपीएससी अध्यक्ष का पद भी पिछले वर्ष अगस्त से रिक्त है, जिससे कई महत्वपूर्ण परीक्षाएं लंबित हैं।

सरला बिरला यनिवर्सिटी व राधा गोविंद यूनिवर्सिटी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

RANCHI: सरला बिरला

नगर निगम द्वारा यह कार्रवाई शहर

के विकास और स्वच्छता की दिशा

यूनिवर्सिटी और राधा गोविंद यूनिवर्सिटी की ओर से दाखिल याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मंगलवार की सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार द्वारा लागू की गई प्राइवेट यूनिवर्सिटी एक्ट पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। दरअसल पिछले वर्ष राज्य सरकार ने प्राइवेट यूनिवर्सिटी एक्ट लागू किया है। इसी एक्ट के तहत प्राइवेट यूनिवर्सिटी में वीसी एवं अन्य महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति किया जाना है। लेकिन सरला बिरला यूनिवर्सिटी और राधा गोविंद यूनिवर्सिटी ने अपने एक्ट के मुताबिक वीसी एवं अन्य पदों पर नियुक्ति की है और सरकार के द्वारा लागू प्राइवेट यूनिवर्सिटी एक्ट को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच में हुई। सरला बिरला यनिवर्सिटी और राधा गोविंद यूनिवर्सिटी की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कमार ने

टेरर फंडिंग मामले में झारखंड हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

जब्त पैसे वापस करने के लिए दायर सुदेश केडिया की याचिका खारिज

जानकारी मिली है कि सुजीत सिन्हा

गैंग ने रंगदारी और लेवी से मिली

बड़ी राशि को जमीन और अन्य

PHOTON NEWS RANCHI: चतरा के टंडवा स्थित मगध व आम्रपाली कोल परियोजना से जुड़े टेरर फंडिंग मामले में एनआईए की सितंबर 2018 में छापेमारी में आरोपी व्यवसायी सुदेश केडिया के आवास सह कार्यालय से बरामद 9 लाख 95 हजार रुपये की वापसी को लेकर दायर याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है। कोर्ट में सुदेश केडिया को राहत नहीं देते हए उसकी याचिका खारिज कर दी। मामले में कोर्ट ने सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि एनआईए की छापामारी में सदेश केडिया के आवास से बरामद 9 लाख 95 हजार रुपए उनके व्यवसाय का है, यह टेरर फंडिंग का पैसा नहीं है। इस पैसे से कर्मियों को सैलरी दी जानी थी। टंडवा थाना में दर्ज कांड संख्या गठित हो चुका है।

एनआईए ने की थी छापामारी, व्यवसायी के आवास से जांच एजेंसी ने बरामद किए थे ९ लाख ९५ हजार रुपये



टीपीसी को फंड देने की हुई है पुष्टि

एनआइए ने जांच के दौरान यह पाया है कि सीसीएल, पुलिस, उग्रवादी व शांति समिति के बीच समन्वय से टेरर फंडिंग हो रही थी। तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी)

इसलिए एनआईए द्वारा बरामद 9 लाख 95 हजार रुपए को उन्हें वापस दिलाया जाए। बता दें कि टेरर फंडिंग से जुड़े केस में रांची की एनआइए की विशेष अदालत में सनवाई जारी है। एनआइए ने 2/2016 को फरवरी 2018 को टेकओवर किया था। अनसंधान के बाद एनआइए ने मामले में 17 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। मामले में कई आरोपियों के खिलाफ आरोप

को फंड देने की पुष्टि हुई है। टीपीसी को

लेवी देने के लिए ही उसने ऊंची दर पर

मगध और आम्रपाली प्रोजेक्ट से कोयला

रांची के एक मंदिर के सामने खून फैलाकर माहौल खराब करने की कोशिश

शांति व्यवस्था को भंग करने की साजिश को पुलिस ने कर दिया नाकाम, असामाजिक तत्व के मंसूबे पर फिर गया पानी

मंगलवार की सबह-सबह राजधानी

के पंडरा ओपी क्षेत्र में शांति व्यवस्था को भंग करने की साजिश को पलिस ने ऐन समय पर विफल कर दिया। बताया जाता है कि कुछ असामाजिक तत्वों ने एक मंदिर के सामने किसी पशु का खून फैलाकर माहौल को खराब करने की कोशिश की। पुलिस की सजगता के कारण असामाजिक तत्व अपने मंसुबे में कामयाब नहीं हो सके। रांची पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाल लिया।



ढी जानकारी कोई लिखित शिकायत नहीं

मिली : डीएरापी

स्थित मंदिर के पीछे एक जानवर के

गले की घंटी पड़ी हुई थी। वहीं पास

में काफी खुन भी बिखरा पड़ा था।

• स्थानीय लोगों ने पुलिस को

रहा है, ताकि असामाजिक तत्वों की ऐसा लग रहा था की किसी पशु को पहचान कर उनपर कार्रवाई की जा वहां मारा गया है। इसके बाद स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पलिस सके। स्थानीय लोगों ने बताया कि मंगलवार की सुबह बजरा के पास

रखना सुनिश्चित करें।

पर विशेष ध्यान दें।

• संदिग्ध कॉल्स, विज्ञापनों,

को नजरअंदाज करें।

• सिस्टम में ऑटोमेटिक

सुनिश्चित करें।

• सार्वजनिक स्थलों पर ब्लूट्रथ

और वाई-फाई प्रयोग करने

लिंक, गतिविधि, मुफ्त ऑफर

डाउनलोड मोड को बद रखना

साइबर अपराध रोकने के लिए डीजीपी ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक बड़ी पहल हफ्ते में ६ दिन योग गुरु करा रहे लोगों को आसन-व्यायाम

अब योग के सहारे भी बीमारियों का शुरू हो गया इलाज

VIVEK SHARMA @ RANCHI: झारखंड में लोगों की स्वास्थ्य सेवा के लिए सरकारी स्तर पर नए विजन से काम शुरू हो गया है। अगर आप भी हाई ब्लंड प्रेशर (बीपी), कमर दर्द या शरीर में चर्बी जैसी समस्याओं से परेशान हैं, तो अब आपको चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। सदर हॉस्पिटल ने इन समस्याओं के इलाज के लिए एक नया और प्रभावी तरीका अपनाया

है। यहां अब कई तरह की बीमारियों से ग्रस्त मरीजों का इलाज योग के माध्यम से किया जा रहा है। योग आचार्य आसन और तकनीक के माध्यम से लोगों का इलाज कर उनकी बीमारियों का इलाज कर रहे है। इतना ही नहीं, लोगों की सेहत में सुधार भी हो रहा है। यह योगा क्लास हफ्ते में छह दिन चल रही है। सोमवार से 11 बजे से मरीजों को योग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हर दिन शनिवार तक यह सेशन दोपहर 2 बजे तक चल रहा है। यह विशेष सुविधा हॉस्पिटल के नए बिल्डिंग के थर्ड फ्लोर पर स्थित योग के लिए आवंटित कमरे में मिल रही है। रजिस्ट्रेशन कराकर कोई भी केंद्र में आकर नि:शुल्क कर सकता है कंसल्ट अस्पताल में पहले से भर्ती मरीजों को भी इस प्रक्रिया का मिल रहा है लाभ



सदर हॉस्पिटल की यह पहल स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई क्रांति का संकेत है। यहां अब मरीजों का इलाज सिर्फ दवाइयों तक सीमित नहीं, बल्कि शारीरिक और मानसिक रूप से भी किया जा रहा है। योग की मदद से इलाज कराने के लिए हर महीने 300

मरीज योग केंद्र में पहुंच रहे हैं। इसके लिए लोग हॉस्पिटल में रजिस्ट्रेशन कराकर योग गुरु से कंसल्ट कर सकते हैं, जहां कोई भी चार्ज नहीं लिया जाता। अलग-अलग विभागों से भी डॉक्टर मरीजों को योग केंद्र में भेज रहे हैं।

इनडोर मरीजों के लिए भी सुविधा सिर्फ ओपीडी के मरीज ही नहीं, बल्कि

हॉस्पिटल में एडमिट मरीजों को भी योग का लाभ मिल रहा है। यहां पर डायबिटीज, हाई ब्लंड प्रेशर, थायरॉयड, कमर दर्द और चर्बी जैसी समस्याओं का इलाज योग के जरिए किया जा रहा है। इसके अलावा कैंसर, फैटी लीवर, कांस्टिपेशन, आर्थराइटिस, लिगामेंट, घुटने का दर्द जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों का भी योग गुरु चंद्र देवार्य द्वारा इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हर मरीज की बीमारी के हिसाब से उन्हें योग आसन और



प्रैक्टिस के तरीके सिखाए जा रहे हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य बेहतर हो सके। साथ ही बताया कि रीढ़ की हड्डी में गैप. नस का दब जाना, वेरीकोज वेंस, मोटापा, वजन बढ़ाना, थायरॉयड, सोरायसिस, गांठ और स्किन से जुडी बीमारियों का भी इलाज योग से किया जा रहा है।

लोगों का निजी डाटा चोरी कर बैंकिंग जानकारी ले लेते हैं साइबर अपराधी

संभालते हुए पानी से खून को पूरी

तरह से साफ कर दिया है। आसपास

के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा

एपीके (एंड्राइड एप्लीकेशन पैकेज) ऐप

इससे पहले कि कोई अफवाह

फैलाए, पुलिस ने जमीन से खून को

पानी से साफ करवा दिया। इस संबंध

में रांची के कोतवाली डीएसपी

प्रकाश सोय ने बताया कि मामले को

लेकर कोई लिखित शिकायत नहीं

मिली है। पुलिस ने मामले को

के प्रयोग से संबंधित साइबर अपराध रोकने के लिए डीजीपी अनुराग गुप्ता मंगलवार को समीक्षा बैठक किए। डीजीपी ने झारखंड पुलिस मुख्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस ऐप से बचने और सुरक्षित रहने के लिए बैठक की। बैठक में जिले के सभी एसपी शामिल हुए। बैठक में अनजाने और धोखाधड़ी वाले एपीके ऐप से संबंधित विभिन्न सुरक्षा नीतियों की व्यापक रूप से समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान एसपी जामताड़ा द्वारा साइबर अपराध की रोकथाम से संबंधित पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति दी गई। बताया गया कि साइबर अपराधी असली ऐप्स की तरह दिखने

वाली नकली एपीके फाइल्स में

मैलवेयर और वायरस छिपाकर यूजर्स

के डिवाइस में इंस्टॉल करवाते हैं।

डीजीपी ने जारी किए दिशा-निर्देश



 केवल आधिकारिक ऐप स्टोर से ऐप्स डाउनलोड करें।

अपने फोन में विश्वसनीय एंटी

वायरस ऐप इस्टॉल करें।

🛮 अनजान स्रोतों से कोई भी ऐप

के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान में

डाउनलोड न करें। • सिस्टम को हमेशा अपडेट • साइबर अपराध की रोकथाम निश्चित रूप से भाग लें।

समाचार सार

टीएसटीआई के प्रशिक्षुओं ने किया एनआईटी का भ्रमण



इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रशिक्षुओं (एनआईटी), जमशेदपुर का अध्ययन दौरा किया। इस विद्यार्थियों को

एनआईटी की विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं और प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। विद्यार्थियों को यहां के उन्नत अनुसंधान एवं विकास कार्यों और इंजीनियरिंग से जुड़ी नई तकनीकों को जानने का अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरे का समन्वय डॉ. प्रो. सतीश कमार (यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग) ने किया, जबकि इस अवसर पर प्रो. संजय कुमार (मख्य विभागाध्यक्ष), टीएसटीआई की प्रधानाचार्य अनुमिता सेनगप्ता, जितेंद्र कुमार सिंह (प्राध्यापक, इलेक्ट्रिकल विभाग) आदि भी मौजूद थे।

दिल्ली में चुनाव प्रचार करेंगे जदयू नेता

JAMSHEDPUR : नई दिल्ली में हो रहे विधानसभा चुनाव में जनता दल



यूनाइटेड (जदयू) एनडीए गठबंधन में दो विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रही है। इस चुनाव में प्रचार की जिम्मेदारी जदयू, युवा के प्रदेश अध्यक्ष निर्मल सिंह और प्रदेश महासचिव कौशल

कमार को जिम्मेदारी मिली है। ये दिल्ली के बराडी विधानसभा क्षेत्र में वार्ड नंबर 156 से 167 तक चुनाव प्रबंधन व प्रचार-प्रसार संभालेंगे।

आदित्यपुर में सांसद ने किया सड़क का शिलान्यास

ADITYAPUR : सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने मंगलवार को आदित्यपर में नगर विकास एवं आवास विभाग से बनने वाली पीसीसी



सडक का निर्माण आदित्यपुर के वार्ड संख्या-17 में टाटा-कांड्रा सर्विस रोड से लक्ष्य तक जाएगा। इस मौके पर सांसद ने कहा कि वह सिंहभूम

संसदीय क्षेत्र सहित आदित्यपर-गम्हरिया औद्योगिक क्षेत्र के विकास को लेकर गंभीर हैं। निवास स्थान दूर होने के कारण इस क्षेत्र के लोगों से संवाद में परेशानी होती है। इसे दूर करने के लिए जल्द ही यहां कार्यालय खोलंगी, ताकि समय-समय पर लोगों से मिल सकूं और उनकी समस्याओं का समाधान कर सकूं। इस दौरान स्थानीय लोगों ने सांसद से जयप्रकाश उद्यान को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग रखी। इसके अलावा उद्यान से फ्लैट तक नाली निर्माण समेत अन्य समस्याओं से अवगत कराया। इस पर सांसद ने कहा कि बिंदुवार लिखित समस्या बताएं, ताकि समाधान किया जा सके।

झारखंड मुक्ति मीची ने चलाया सदस्यता अभियान

CHAKRADHARPUR : झामुमो ने राज्य भर में 50 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। इसी उद्देश्य से मंगलवार को चक्रधरपुर में



सदस्यता अभियान चलाया, जिसकी शुरूआत प्रखंड कार्यालय के समीप बिरसा कल्याण समिति में विधायक

प्रतिनिधि पीरु हेंब्रम को दी। इसके बाद प्रदीप महतो, ताराकांत सिजई. बुधु गागराई समेत अन्य को सदस्यता रसीद दी गई। इस दौरान भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने भी झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। वहीं मौके पर दिनेश जेना, मो अशरफ, समरेश सिंह उर्फ गुड्डू, प्रदीप महतो, मंजुश्री तियू, गोल्डी सिंह, वेद प्रकाश दास, जय प्रकाश दास, मो जुनैद, मो राजा, आदित्य मंडल, मो हुसैन आदि भी मौजूद थे।

लावारिस मरीजों का ध्यान रखने की मांग

JAMSHEDPUR : एमजीएम अस्पताल जल्द ही साकची से डिमना



कॉलेज में शिफ्ट होने जा रहा है। इसे लेकर अस्पताल के मेडिकल वार्ड में रहने वाले लावारिस मरीजों में खौफ देखा जा रहा है। एमजीएम अस्पताल के लावारिस मरीजों ने रोटी बैंक के चेयरमेन मनोज मिश्रा से गुहार लगाई है कि उन्हें भी डिमना के नए अस्पताल भवन में शिफ्ट किया जाए। उनका इस दुनिया में कोई नहीं है। यदि उन्हें नए भवन में शिफ्ट नहीं किया गया तो उन्हें

देखने वाला कोई नहीं होगा और वे भखे मर जाएंगे। उल्लेखनीय है कि एमजीएम अस्पताल के साकची स्थित पराने भवन में लगभग डेढ दर्जन मरीज लावारिस अवस्था में हैं। इनमें अनेक मरीज चार साल से भी अधिक समय से भर्ती हैं। इनके परिवार के लोगों ने रिश्ता तोड़ लिया है। मनोज मिश्रा ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि इन लावरिस मरीजों के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था होनी चाहिए।

बालू का परिवहन करते 2 वाहन जब्त

JAMSHEDPUR: अनुमंडल पदाधिकारी, धालभूम शताब्दी मजूमदार ने मंगलवार को मानगो व उलीडीह में बालू का अवैध परिवहन करते हुए एक-एक वाहन पकड़ा। एक अन्य कार्रवाई में जिला खनन कार्यालय ने गुप्त सूचना के आधार पर धालभूमगढ़ थाना अंतर्गत मौजा कनास में लगभग 40 एमटी क्वार्ज़ खनिज का अवैध भंडारण जब्त किया गया।

विष्ट्रपुर में रमेश काउंटिया के घर हुई देवटर पलटने से दो व्यक्ति की मौत, दो गंभीर रूप से घायल डकैती का पुलिस ने किया खुलासा

पांच बदमाशों को किया गया गिरफ्तार, दो के लिए चल रही छापेमारी

बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के नार्दर्न टाउन में बागमती रोड पर बदमाशों ने 19 जनवरी की रात कारोबारी रमेश काउंटिया के घर डकैती डाली थी। पुलिस ने इस मामले का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में मानगो के मुस्तफा खेती इलाके के रहने वाले मेराज खान, चाईबासा के सिंह टेकेरो हातू ऊपर टोला के रहने वाले सावन देवगम, बिष्टुपुर के सी. रोड पांच नंबर बंगला में वाले सोन् बाग, सीतारामडेरा के न्यू बाराद्वारी में रहने वाले किशन बाग और सीतारामडेरा में न्यू बाराद्वारी के रहने वाले राजा महानंद को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने लूटे गए 25 ग्राम सोने की चेन, घटना में प्रयुक्त चाकू जैसा हथियार और ऑटो भी

PHOTON NEWS JSR:

सरायकेला जिले के कपाली ओपी

क्षेत्र में एक युवक की चाकू मार कर

हत्या कर दी गई है। घटना मंगलवार

सुबह की है। घटना के बाद इलाके

में सनसनी फैल गई। परिजन और

मृतक के दोस्त मौके पर पहुंचे और

संतुष्टि के लिए युवक को एमजीएम

अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने

उसे मृत घोषित कर दिया। जिस

युवक की हत्या हुई है, उसका नाम

शब्बीर आलम है। उसकी उम्र 22

वर्ष के आसपास बताई जा रही है।

बताते हैं कि इसके पहले शब्बीर

आलम का कपाली के ही सन्नू,

अफरीदी, फरहान, तन्नी और अन्य

यवकों से विवाद हो गया था।

शब्बीर किसी काम से कपाली के



पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल

एसएसपी ने बताया कि घटना का मुख्य आरोपी की मां थी मेड मास्टरमाइंड सोनू बाग था। सोनू बाग की मां रमेश काउंटिया के घर पर मेड थी। घटना को अंजाम देने से कुछ दिन पहले ही उसने काम छोड़

इसमें से पांच बदमाश पकड़ लिए

युवक की चाकू मार कर हत्या

बहस के दौरान साथियों ने ही कर दिया वार, घटनास्थल पर ही हो गई मौत

ये आरोपी वहां पहुंचे और शब्बीर

• फोटोन न्यूज

बिलखते परिजन

बरामद कर लिया है। एसएसपी किशोर कौशल ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस घटना को सात बदमाशों ने अंजाम दिया था।

रांची में काम करता था शब्बीर आलम

घटना की जानकारी मिलने पर शब्बीर आलम का दोस्त आर्यन खान और परिजन

मौके पर पहुंचे और शब्बीर को एमजीएम अस्पताल ले गए। घटना की जानकारी

मिलने पर कपाली ओपी पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए

छापामारी शुरू कर दी गई है। बताते हैं कि इन आरोपियों की इलाके में दहशत है।

लोग इनसे डरते हैं। कपाली टीओपी चौक पर जेरॉक्स दुकान के पास भी इन लोगों

ने चाकू बाजी की थी। शब्बीर आलम की हत्या पर घर वालों का रो–रोकर बुरा

हाल हैं। परिजनों का कहना है कि शब्बीर आलम रांची में काम करता था।

गए हैं। दो बदमाशों की तलाश में छापेमारी चल रही है। एसएसपी ने बताया कि लट का सारा माल अभी बरामद नहीं हुआ है। फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद

एसएसपी ने बताया कि सीसीआर डीएसपी मनोज कुमार ठाकुर के नेतत्व में घटना का खलासा करने के लिए एक एसआईटी गठित की गई थी। इसी टीम ने सभी को

दिया था। बताते हैं कि सोनू बाग

अपनी मां को काम पर छोड़ेने

जाया करता था। वहीं से उसने रमेश काउंटिया के घर

ग्रेड-४ में प्रोन्नति पाने कपाली में मामूली विवाद के बाद वाले २८४ शिक्षकों का स्थानांतरण आदेश जारी

JAMSHEDPUR : ग्रेड-4 में प्रोन्नति पाकर स्थानांतरित होने वाले जिले के प्रारंभिक विद्यालयों के 284 शिक्षकों के योगदान का आदेश जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय की ओर से मंगलवार को जारी कर दिया गया है। इसके तहत इन सभी शिक्षकों को 10 फरवरी तक स्थानांतरित विद्यालय में योगदान करना होगा। वहीं निर्धारित तिथि तक योगदान नहीं करने पर कार्रवाई की बात कही गयी है। हालांकि यह आदेश अभी वैसे विद्यालयों में लागू नहीं होगा, जहां एक ही शिक्षक हैं। विभाग ने कहा है कि ऐसे विद्यालयों में अन्य शिक्षक के प्रतिनियुक्ति तक शिक्षक बने रहेंगे। वहीं विभाग ने कहा कि फरवरी का वेतन संबंधित शिक्षकों को स्थानांतरित विद्यालय के माध्यम सं

दिया जाएगा। वहीं प्रोन्नति पद का वेतनमान शिक्षक को पदभार ग्रहण करने के बाद से मिलने लगेगा। मालूम हो कि 11 जनवरी को काउंसिलिंग के बाद ग्रेड-४ में प्रोन्नित पाने वाले 284 शिक्षकों को स्थानांतरण के लिए विद्यालय चयन का मौका दिया गया था। इसके बाद से ही शिक्षक नए विद्यालय

में योगदान के लिए विभागीय आदेश

30 लाख रुपये के ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार

अपराधी आबिद खान को परसुडीह पुलिस ने 30 लाख रुपये की ब्राउन शूगर के साथ पकड़ कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने अपराधी आबिद खान के पास से 262 . 07 ग्राम ब्राउन शातिर बदमाश है। उस पर परसडीह में पहले से पांच मामले दर्ज हैं। सुंदरनगर में एक और जुगसलाई में तीन मामले दर्ज हैं। एसएसपी किशोर कौशल ने मंगलवार को एसएसपी ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि आबिद खान इलाके में छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर ब्राउन शुगर बेचता था। पॅलिस को २७ जनवरी को सचना मिली थी कि एक बदमाश ब्राउन शागर लेकर रेलवे स्टेशन की तरफ जा रहा है। तभी रास्ते में उसे रोका गया। पलिस को देखकर उसने भागने की कोशिश की, लेकिन उसे पकड लिया गया। उसे जेल भेज दिया गया है।

CHAKRADHARPUR: पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपर प्रखंड के होयोहातु पंचायत अंतर्गत चीतपील से कोटसना जाने वाले रास्ते में ट्रैक्टर पलटने से दो व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि गंभीर रूप से दो घायल हो गए हैं। घायल दोनों महिला का डलाज चकधरपर अनुमंडल अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, सोमवार को झरझरा हाट बाजार से शाम साढे सात बजे कोटसोना गांव के आधे दर्जन से अधिक लोग एक ट्रैक्टर में सवार होकर लौट रहे थे। इसी दौरान चीतपील से कोटसोना जाने वाले रास्ते में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। पहाड़ी रास्ते में ट्रैक्टर पलटने से फोंडा लोहार और पाकु हेंब्रम की मौत हो गई, जबकि सुमी लोहार और सोमवारी सामड गंभीर रूप से घायल हो गई। सुमी लोहार की हालत नाजुक है। दुर्घटना में चालक समेत अन्य लोगों को हल्की चोट आई है। उनका इलाज गांव में

ही चल रहा है। बता दें कि कोटसोना

गांव पहाड पर बसा है।

कामेगाड़ा गांव के मुंडा की धारदार हथियार से हत्या

सिंहभूम जिला अंतर्गत

चक्रधरपुर प्रखंड के टोकलो में कामेगाड़ा गांव के मुंडा विक्रम सिंह हेंब्रम की अज्ञात हत्यारों ने धारदार हथियार से हत्या कर

अनुसार, सोमवार को झरझरा में साप्ताहिक हाट लगता है। विक्रम दोपहर तीन बजे साइकिल से हाट करने गया था। शाम को घर लौटने के दौरान बांडीजाहिर गांव में अज्ञात हत्यारों ने धारदार हथियार से हत्या कर दी। विक्रम का गला काटा गया है, जबकि शरीर के विभिन्न हिस्सों पर चाकू से घोंपा गया है। इधर, पोस्टमार्टम कराने पहुंचे पुत्र सुरेश हेंब्रम ने बताया कि पिताजी और वह सोमवार को

लौट गया था। पिता इसी दौरान बांड़ीजाहिर गांव के पास अज्ञात हत्यारों ने पिता की हत्या कर दी। सुरेश

बांडीजाहिर गांव के पास उयके पिता को ट्रैक्टर ने धक्का मार दिया है। सुरेश अपने बड़े भाई नरेंद्र हें ब्रम को सूचना देते हुए बांडीजहिर पहुंचा, देखा कि सड़क किनारे पिता का शव पड़ा हुआ था। पलट कर देखा कि वह लहुलुहान थे। उनके शरीर पर चाकु से वार किए गए थे। गला भी रेता गया था। उन्होंने तत्काल मामले की सूचना टोकलो थाना

राम् होटल के पास खड़ा था। तभी आलम से बहस करने लगे। इसी विषैला फल खाने से आधा दर्जन बच्चे हो गए बीमार



GHATSILA: उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय धीवर टोला के 17 बच्चे

अस्पताल में डलाजरत बच्चे

मंगलवार को टिफिन के वक्त स्कूल के बाहर कोई विषैला फल खाकर बीमार हो गए। फल खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। बच्चों को सिर में चक्कर आने लगे, पेट दर्द के साथ उल्टी शुरू हो गई। घटना दोपहर करीब 12.30 बजे की है। एक साथ इतने बच्चों की तबीयत खराब होने से अफरातफरी मच गई। आनन-फानन लोगों ने 108 एंबुलेंस को फोन किया गया। करीब दो घंटे बाद एंबुलेंस पहुंची, जिससे सभी बच्चों को अनुमंडल अस्पताल लाया गया। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. टीना रानी ने बच्चों का इलाज शुरू किया। इस संबंध में ग्रामीण गरमीत सिंह, सोना सिंह, राग व अमित सिंह ने बताया कि एंबलेंस आने में काफी देर हो गई। बीमार बच्चों में राजा पातर, सुखदेव धीवर, मानव

धीवर व सुजीत धीवर ने बताया कि स्कूल के बाहर किसी पेड़ से कुछ

फल तोड़ कर एक बच्चे ने खाया, उसे देख कर कई बच्चे फल खाने

लगे। फल खाने के 10-15 मिनट के बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी।

शास्त्र व शस्त्र में निपुणता जरूरी : राष्ट्र सेविका

दौरान आरोपियों ने शब्बीर आलम

पर चाकु से हमला कर दिया।



JAMSHEDPUR : राष्ट सेविका समिति, जमशेदपुर विभाग ने अखिल भारतीय प्रमुख संचालक वी .शांता अक्का के आगमन पर मंगलवार को तुलसी भवन, बिष्टुपुर में एक दिवसीय कार्यक्रम किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हिंद समाज की महिलाओं को अहिल्याबाई होलकर से पेरणा लेते हुए शास्त्र और शस्त्र दोनों में निपण होने की आवश्यकता है। सत्र के दौरान प्रबुद्ध महिलाओं से वार्ता के क्रम में उन्होंने कहा कि इस्लामिक, ईसाई और वामपंथी षड्यंत्र के साथ साथ बाजारवादी अपसंस्कृति के प्रति भी हमें हिंद समाज की महिलाओं को जागरूक करने की आवश्यकता है। संगठन की अखिल भारतीय सहकार्यवाहक सुनीता हल्देकर ने भी प्रबुद्ध महिलाओं को संबोधित किया। तीन सत्रों में विभाजन इस कार्यक्रम का संयोजन विभाग कार्यवाहक सुधा प्रजापति व महानगर कार्यवाहक अपर्णा सिंह ने किया।

25 हजार महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का दिया गया लक्ष्य

दोपहर तीन बजे अलग अलग

देसी अंडा उत्पादन व विक्रय और मशरूम कलस्टर बनाने का निर्देश

PHOTON NEWS JSR:

समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में मंगलवार को जेएसएलपीएस की समीक्षा बैठक हुई। इसमें स्वयं सहयता समूह की महिलाओं के लिए स्वरोजगार के स्थायी मॉडल निर्माण के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने डीपीएम-जेएसएलपीएस को इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 25,000 लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य दिया। उन्होंने कहा कि स्वयंसहायता समृह की दीदीयां स्वरोजगार से जुड़ें, इस बाबत उनका मार्गदर्शन करें तथा आवश्यकतानुरूप तकनीकी सहायता भी प्रदान करें। खेती आधारित उत्पादों और उनके उप-



बैठक को संबोधित करते उपायुक्त अनन्य मित्तल

उत्पादों जैसे टोमैटो कैचअप, फ्रोजेन मटर, खरबूजा जेली आदि के उत्पाद एवं विपणन चैनलों से जोड़ने पर चर्चा हुई। बैठक में पशुपालन और देसी अंडा उत्पादन से जुड़े वैसे किसान जो बैकयार्ड पोल्ट्री का कार्य कर रहे हैं, उन्हें संगठित कर सामृहिक रूप से प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराते हुए सफल मॉडल बनाने की रणनीति तैयार की गई। उन्होंने कहा कि संभावित कलस्टर की पहचान कर किसानों

को इस व्यवसाय से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करें। उनकी उत्पादन क्षमता का मूल्यांकन कर उन्हें किसान उत्पादक समूह (फार्मर प्रोड्यूसर ग्रुप) से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही कुटीर उद्योग के तौर पर मशरूम उत्पादन से महिलाओं को जोड़कर स्वावलंबी बनाने के लिए प्रशिक्षण, कच्चा माल, बाजार उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई एवं मशरूम का प्रोसेस्ड प्रोडक्ट बनाने पर बल दिया गया।

जीएम ने आदित्यपुर-घाटशिला सहित बादामपहाड़ तक किया विकास कार्यों का निरीक्षण

टाटानगर रेलवे स्टेशन को वर्ल्ड क्लास बनाने का जून में शुरू होगा काम

PHOTON NEWS JSR:

टाटानगर रेलवे स्टेशन को वर्ल्ड क्लास बनाने की योजना जून में धरातल पर उतरनी शुरू हो जाएगी। इस योजना की टेंडर की प्रक्रिया चल रही है। अप्रैल में टेंडर खुलेगा और मई तक टेंडर कार्यकारी संस्था को अवार्ड कर दिया जाएगा। इसके बाद जून में स्टेशन के सुंदरीकरण का काम शुरू कर दिया जाएगा।

दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के जीएम अनिल कुमार मिश्रा ने यह जानकारी पत्रकारों को टाटानगर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को दी है।

दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने सांसद बिद्युत बरण महतो के साथ चाकुलिया से लेकर टाटानगर रेलवे स्टेशन तक रेलवे के कई



स्टेशन का निरीक्षण करते जीएम एके मिश्रा (बाएं) व सांसद बिद्युत बरण महतो

अतिक्रमण करने वालों को जारी किया गया नोटिस

महाप्रबंधक ने बताया कि टाटानगर रेलवे स्टेशन के सुंदरीकरण में ज्यादातर जमीन रेलवे की है। जिन लोगों ने रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण कर रखा है उन्हें नोटिस दे दिया गया है। यह जमीन खाली

प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया।

हावड़ा से झारसुगुड़ा के बीच फोर्थ रेलवे लाइन तैयार

महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि हावड़ा से झारसुगुड़ा तक रेलवे लाइन की चौथी रेल लाइन बिछाई जाएगी। इसके लिए तैयारी की जा रही है। यह काम जल्द शुरू होगा। इसमें जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा।

महाप्रबंधक रेलवे के अधिकारियों

गोविंदपुर रेलवे फाटक के पास बनाया जाएगा सब-वे

वह गोविंदपुर और बारीगोड़ा भी गया। इन दोनों जगह पर रेलवे ओवर ब्रिज बनाया जाना है। महाप्रबंधक ने बताया कि गोविंदपुर में और राहरगोड़ा काफी व्यस्त रेलवे क्रॉसिंग है। इन पर रेलवे ओवरब्रिज बनाया जाएगा। फिलहाल अभी यहां सब वे बनाया जाएगा। ताकि आम जनता को कोई परेशानी ना हो। उन्होंने कहा कि सब-वे का निर्माण इस साल के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण की भी प्रक्रिया चल रही है। इसकी डिजाइन तैयार की जा रही है।

गए महाप्रबंधक टाटानगर रेलवे स्टेशन का

बादामपहाड़ भी

निरीक्षण करने के बाद रेलवे की पूरी टीम बादामपहाड़ गई। यहां सिदिरसाई रेलवे हाल्ट का निरीक्षण किया। सांसद बिद्युत बरण महतो ने बताया कि जनहित की जो समस्याएं हैं। सब डीआरएम से बता दी गई हैं। महाप्रबंधक ने बताया कि जो भी सांसद ने मुद्दे बताए हैं, उसमें सबवे में पेंटिंग करना और एक हॉल्ट की मांग शामिल है।

जल्द निकलेगा गोविंदपुर और बारीगोड़ा रेलवे ओवरब्रिज का टेंडर

सांसद बिद्युत बरण महतो ने बताया कि गोविंदपुर और बारीगोड़ा में जो रेलवे ओवरब्रिज बना है। उसमें अधिकतर जमीन रेलवे की ही है। कुछ थोड़ी बहुत जमीन निजी है। जिनका निपटारा जल्द कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जल्द ही दोनों रेलवे ओवरब्रिज का टेंडर निकलेगा।

के साथ स्पेशल सैलून में टाटानगर रेलवे स्टेशन पहुंचे थे।

रेलवे जीएम और सांसद ने किया स्टेशनों का निरीक्षण

GHATSILA: दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक एके मिश्रा व सांसद बिद्युत बरण महतो ने मंगलवार को चाकुलिया व घाटशिला रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने रेल महाप्रबंधक से यात्री सुविधा को लेकर कई मांग रखी। जीएम ने कहा कि सांसद ने जो भी मांग रखी थी, उस पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रेन के टहराव एवं नई ट्रेन चलाने को लेकर रेल मंत्रालय से ही अनुमति मिलती है। सांसद ने कई ट्रेनों के **उहराव को लेकर मंत्रालय में बात** रखी है, उस पर भी तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि चाकुलिया से बादामपहाड़ तक निरीक्षण करना है। यहां थर्ड लाइन का कार्य लगभग पूरा हो गया है, जमशेदपुर के पास थोड़ा शेष है। उसे भी जल्द पूरा किया जाएगा।

मऊमंडार वर्क्स हॉस्पिटल का ओटी १५ वर्ष बाद शुरू



ऑपरेशन थियेटर में मौजूद एचसीएल-आईसीसी के पदाधिकारी

GHATSILA: मऊभंडार वर्क्स हॉस्पिटल का ओटी 15 वर्ष बाद सोमवार को फिर से शुरू किया गया है। ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन आईसीसी कंपनी के इकाई प्रमुख श्याम सुंदर सेठी ने किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोकल एनेस्थीसिया के तहत किए जाने वाले छोटे ऑथोपेंडिक सर्जिकल केस अब इस ओटी में किए जाएंगे।

यह पहल न केवल कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए, बल्कि पूर्व कर्मचारियों और ताम्र

नगरी के आम जनता के लिए भी फायदेमंद साबित होगी। इस मौके पर डीजीएम (प्रोजेक्ट) दीपक श्रीवास्तव, डीजीएम (वर्क्स) एसके झा, डीजीएम (एम एंड सी) बीके माझी, डीजीएम (एम एंड एचएस) डॉ. डीडी बर्मन, आईसीसी वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष बीएन सिंहदेव, यूनियन महासचिव ओमप्रकाश सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी, यूनियन पदाधिकारी और हॉस्पिटल के कर्मचारी मौजूद थे।



से बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें लिखना बहुत पसंद

होता है। लेखन की कई विधाएं हैं, इन्हीं में से एक

है क्रिएटिव राइटिंग। लेखन के क्षेत्र

की यह विधा बेहद कलात्मक है। इस क्षेत्र से जुड़े लोग वास्तव में रचनात्मक लेखक हैं, जिन्हें लोग उपन्यासकार, कवि, गीतकार आदि विभिन्न नामों से जानते हैं।क्रिएटिव

राइटर्स के पास लेखन में जादुई

शक्ति होती है और अपने काम के

माध्यम से, वे पाठकों को प्रभावित

कर सकते हैं और उन्हें परेशान,

घृणित, मंत्रमुग्ध या खुश कर सकते

हैं।आमतौर पर लोग इस काम को

आसान मानते हैं, जबिक लेखन

की आवश्यकता होती है।अगर

बनाना एक लंबी प्रक्रिया है जिसमें

बहुत अधिक शोध और कड़ी मेहनत

आप भी लेखन में अपनी रूचि रखते

हैं तो इस क्षेत्र में अपने कदम बढ़ा

क्या है क्रिएटिव

रचनात्मक लेखन वह लेखन है

जिसमें एक लेखक का उद्देश्य गद्य

और काव्य छंदों के माध्यम से अपनी

भावनाओं, भावनाओं, कल्पनाशील

करना है।विभिन्न तरह के लेखन

नाटक, आत्मकथा, पटकथा लेखन,

कॉपी लेखन आदि को रचनात्मक

लेखन कहा जाता है। रचनात्मक

प्राकृतिक दुनिया के चित्र बनाने के

लेखन एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें

अवलोकन और एक जन्मजात

क्षमता की आवश्यकता होती है।

विभिन्न विषयों और शैलियों पर

लेख पढ़कर एक अच्छा लेखक बन

सकता हैय हर तरह से जीवन का

मुहावरों, लहजों और स्थानीय भावों

को सीखना और सुनना । वैसे तो

क्रिएटिव राइटिंग कुछ लोगों को

जन्मजात उपहार में मिलती हैं,

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि

औपचारिक शिक्षा की विशेष

आवश्यकता नहीं है।आपकी

रचनात्मकता के साथ लिखने की

क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग

प्रशस्त करती है । हालांकि अंग्रेजी

साहित्य या पत्रकारिता और संचार

कल्पना, अवलोकन और

रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी

में सधार कर सकता है।

योग्यता

लेकिन रचनात्मक लेखन में कोर्स

करके कोई भी अपने लेखन कौशल

अनुभव करना और बहुत सारे

लिए बहुत अधिक कल्पना,

जैसे उपन्यास, कविता, कहानी,

विचारों और विचारों को व्यक्त

सकते हैं

राइटिंग

बेहद अलग है जूलॉजी में कॅरियर

जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आंपको सबसे पहले जीव विज्ञान. गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। १२वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। ऐसे बहुत से लोग है, जो प्रकृति में मौजूद विभिन्न तरह के प्राणियों के बारे में गहराई से जानने की इच्छा रखते हैं। ऐसे लोग जूलॉजी में अपना करियर देख सकते हैं। जूलॉजी, जीव विज्ञान की एक शांखा है, जो मछली, सरीसृप, पक्षियों और स्तनधारियों सहित जानवरों का वैज्ञानिक अध्ययन है। यह संरचना, शरीर रचना, विशेषताओं, व्यवहार, वितरण, पोषण की विधि, शरीर विज्ञान, आनुवंशिकी और पशु प्रजातियों के विकास को शामिल करता है। जूलॉजी का अध्ययन करते समय आप समुद्री जीवों, चिड़ियाघर के जानवरों और जंगली और यहां तक कि घरेलू पालतू जानवरों सहित जानवरों के जीव विज्ञान और आनुवंशिकी का अध्ययन करते हैं। ऐसे में अगर आप भी इनके बारे में विस्तार से जानना चाहते हैं तो बतौर जुलॉजिस्ट बनकर ऐसा कर सँकते हैं।तो चलिए जानते हैं इसके बारे में

क्या होता है काम

एक जूलॉजिस्ट का मुख्य काम जानवरों के व्यवहार, विशिष्ट विशेषताओं और उनमें विकासवादी प्रवृत्तियों का अध्ययन करते हैं । जूलॉजिस्ट को पशु जीवविज्ञानी या वैज्ञानिक भी कहा जाता है। यह एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है और विभिन्न क्षेत्रों से संबंध रखने वाले जूलॉजिस्ट को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। मसलन, पक्षियों के अध्ययन में विशेषज्ञता वाले जूलॉजिस्ट्स को ऑर्निथोलॉजिस्ट कहा जाता है, वहीं मछली का अध्ययन करने वाले को आइकथोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है। ठीक इसी तरह, जो जूलॉजिस्ट्स जो उभयचरों और सरीसृपों का अध्ययन करते हैं उन्हें हेरपेटोलॉजिस्ट नाम से जाना जाता है और स्तनधारियों से जुड़े लोगों को मैमलॉजिस्ट कहा जाता है। उनके कार्यक्षेत्र में जानवरों, पक्षियों, स्तनधारियों, कीड़े, मछलियों और कीड़े के पहलुओं पर रिपोर्ट तैयार करना और उन्हें विभिन्न स्थानों पर प्रबंधित करना है। जूलॉजिस्ट डीएनए पहचान सहित उच्च

तकनीक के सभी प्रकार के क्षेत्र में और प्रयोगशाला में काम करते हैं, और वे जानकारी के डेटाबैंक विकसित करते हैं।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आपको सबसे पहले जीव विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं । हालांकि आप इस क्षेत्र में बैचलर की डिग्री के बाद मास्टर डिग्री या डॉक्टरेट की डिग्री भी हासिल कर सकते हैं।

व्यक्तिगत कौशल

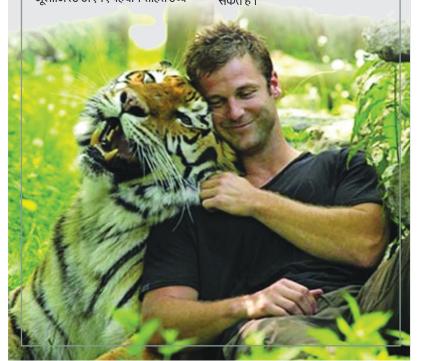
एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि जूलॉजी के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का बेहद साहसी होना जरूरी है और उनके जीवन में डर के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्हें समर्पिंत, स्वतंत्र और मेहनती भी होना चाहिए। उन्हें विभिन्न लोगों के साथ काम करना आना चाहिए। चूंकि वैज्ञानिक अक्सर शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं, इसलिए उनके पास प्रभावी लिखित और मौखिक संचार क्षमताएं होनी चाहिए।वह अपना अधिकाश समय जानवरों के साथ बिताते हैं, इसलिए उन्हें जोखिम भरी परिस्थितियों में काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्हें काटने, खरोंचने आदि जैसे हमलों के लिए हरदम मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए और चोटों को सहने की क्षमता होनी चाहिए। जलॉजी के क्षेत्र में आपको कई घंटों तक काम करना पड़ सकता है, जो वास्तव में आपके लिए थकाऊ हो सकता है।

संभावनाएं

बतौर जूलॉजिस्ट आप चिड़ियाघर, वाइल्डलाइफ सर्विंस, बोटेनिकल गार्डन, कंसर्वेशन आर्गेनाइजेशन, नेशनल पार्क, यनिवर्सिटी व लेबोरेटरीज आदि में काम कर सकते हैं। जहां चिड़ियाघर व म्यूजियम में वे बतौर एजुकेटर या क्यूरेटर अपना कॅरियर आगे बढ़ा सकते हैं। वहीं आप स्कूल या कॉलेज में टीचर्स या रिचर्सर के तौर पर भी काम कर सकते हैं।वहीं अपना शोध पूरा कर लेने के बाद आप एक स्वतंत्र शोधकर्ता के रूप में भी आगे कार्य कर सकते हैं। इसी तरह एनिमल रिहैबिलिटेटर्स या बतौर कंसर्वेशनिस्ट भी आप अपना उज्जवल भविष्य देख सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आपका वेतन शिक्षा, अनुभव, कार्य की प्रकृति व स्पेशलाइजेशन के आधार पर निर्भर करता है। रिसर्च एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छी आमदनी हो सकती है।शुरूआती दौर में आप 10000 से 15000 रूपए महीना आसानी से कमा सकते हैं।वहीं कुछ समय के पश्चात आपकी आमदनी 25000 रूपए प्रतिमाह या इससे अधिक भी हो सकती है। अगर कुछ वर्षों के अनुभव के पश्चात आप विदेश में काम करते हैं तो आप यकीनन लाखों में कमा सकते हैं।



लेखन के क्षेत्र में बनाएं कॅरियर

रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार में एक शैक्षिक पृष्टभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है।

में एक शैक्षिक पृष्टभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है। वैसे भारत में कुछ संस्थान रचनात्मक लेखन में शार्ट टर्म कोर्स कराते हैं और इन पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकंडरी या 10+2 होनी चाहिए।इन पाठयक्रमों की न्यूनतम अवधि एक

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक क्रिएटिव राइटर को कल्पनाओं के आकाश में विचरने के साथ–साथ उसे कागज पर भी बेहतरीन तरीके से उतारने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर पढने व नई चीजों को जानने की जिज्ञासा होनी चाहिए, ताकि वह अपने शब्दकोश को अधिक मजबूत बना सके। चूंकि इन दिनों लेखन के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल किया जाने

लगता है। इसलिए उसे कंप्यूटर का ज्ञान होना व इंटरनेट में आवश्यक सामग्री खोजने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर ऑर्बजवेशन स्किल्स व कम्युनिकेशन स्किल्स भी मजबूत होने चाहिए।क्योंकि जब एक लेखक अपने या दूसरों के अनुभवों के पन्ने पर उतारता है तो उसका एक अलग ही प्रभाव देखने को मिलता है। इसके अलावा ऑब्जर्वेशन के जरिए उसके लेखन में भी विविधता को आसानी से देखा जा सकता है ।

सभावनाए

क्रिएटिव राइटर्स के पास अवसरों की कोई कमी नहीं है । कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो आप अपनी रूचि के अनुसार उपन्यास से लेकर संस्मरण, कविता, गीत, साइंस फिक्शन, रोमांस, स्क्रिप्ट, नाटक, यात्रा-वृत्तांत आदि लिख सकते हैं इसके अलावा आप पत्र–पत्रिकाओं और समाचार पत्रों आदि के लिए रिपोर्ट, साक्षात्कार, सुविधाएँ, आलोचना और समीक्षाएं लिख सकता है । इसके अलावा, रचनात्मक लेखक वेब साइटों के लिए भी कंटेंट लिख सकते हैं या प्रिंट मीडिया के लिए लेख बना सकते हैं। आप किसी एक संस्थान से जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर अलग-अलग संस्थानों के लिए फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व कौशल पर निर्भर करती हैं। शुरूआती दौर में एक क्रिएटिव रॉइटर आठ से दस हजार रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। इसके बाद अनुभव बढ़ने के बाद आपका काम व आमदनी दोनों बढ़ती चली जाती है।

प्रमुख संस्थान

- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
 डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद
- नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मीडिया स्टडीज, अहमदाबाद
- कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी

सकारात्मक चीजों पर फोकस

एग्जिट इंटरव्यू के संदर्भ को समझना महत्वपूर्ण है और बिना किसी की भावनाओं कों ठेस पहुंचाए सच बोलना जरूरी है। करियर के इस मोड़ पर आपको सकारात्मक प्रभाव बनाने के लिए सहयोगियों और प्रबंधकों की तारीफ करना चाहिए।

वापसी की इच्छा जताए

अगर आप अच्छे टर्म के साथ अपने कार्यकाल को ऑफिस में पूरा कर रहे हैं तो इसके लिए आपको वापसी के सारे रास्ते खुल रखने की कोशिश करना चाहिए। हमेशा जुड़े रहने की इच्छा जताएं और वहां के एल्यूमिनी नेटवर्क का हिस्सा बनने को कहें।

आभार व्यक्त करे

ऑर्गनाइजेशन में अपने कार्यकाल को सहज बनाने में मदद करने वालों के प्रति आभार जताना न भूलें । यह केवल मैनेजमेंट को आपके बारें में पॉजिटिवी फील देगा।

माइक्रो पर्सपेक्टिव

अगर आपको अपने किसी साथी या वरिष्ठ प्रबंधक से संबंधित कोई बात रखने की भी है तो उसे सही तरीके से रखें। कुछ अगर कहना आवश्यक भी हो तो उसे माइक्रो पर्सपेक्टिव रखें।

कंस्ट्रक्टिव फीडबैक

आपके कार्यकाल के दौरान ऐसा समय भी रहा होगा जब वहां कलह और परेशानी का सामना करना पड़ा होगा। सुधारात्मक उपायों के साथ ईमानदार प्रतिक्रिया दें।



अदालतों में हम देखते हैं कि कानन

के अनुसार ही एक पक्ष दूसरे पक्ष

को चुनौती देता है और अदालतों में

पक्षों की व्याख्या भी करते हैं। इन्हीं

कानून के जानकारों को हम वकील

कहते हैं और वकील बनने के लिए

आपको लॉ की पढ़ाई करनी पड़ती

है। इस पढ़ाई का का प्रथम चरण

बैचलर आफ लॉ ! वैसे कानून की

पढ़ाई सिर्फ एक प्रोफेशन भर ही

जरूरतमंद लोगों को सिस्टम के

नहीं है, बल्कि यह उन तमाम

महत्वपूर्ण कड़ी है, जो तमाम

कारणों से अन्याय के शिकार

होते हैं। जिन्हें पता तक नहीं होता

है कि उन्हें कानून की जानकारी ना

होने के कारण असीमित नुकसान

उटाना पड़ा है। सच कहा जाए तो

हमारे देश में ला प्रोफेशनल्स की

प्रोफेशन से अधिक हो जाती है,

क्योंकि यह कानून के शासन पर

महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।

सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के

लिए आपका १२वीं पास होना

आवश्यक है और यह किसी भी

विषय में हो सकता है। इसमें 50

ऐसे में आपकी एज 20 साल से

अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके

परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और

जवाबदेही, किसी भी दूसरे

भरोसा पैदा करने में सबसे

साथ जोडने में एक अति

होता है एलएलबी का, यानी

कानून के जानकार इसके भिन्न

सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के लिए आपका १२वीं पास होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। इसमें ५० परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और ऐसे में आपकी एज २० साल से अधिक नहीं होनी चाहिए।हमारे देश में कानून का शासन है। हर चीज कानून के अनुसार चलतीं है। कानून के अनुसार ही प्रशासन चलता है, कानून के अनुसार ही अदालतों का सिस्टम चलता है।

साथ ही स्पष्ट है कि पर्टिकुलर फील्ड में आप सम्बंधित क्षेत्र की विशेषज्ञता की हद तक जानकारी खास बात यह भी है कि एलएलबी के बाद एलएलएम और पीएचडी

जैसी विशेषज्ञता भी आप हासिल कर सकते हैं और बाद के दिनों में आप न्यायपालिका की परीक्षा देकर जज बनने की भी कोशिश कर सकते हैं। लॉ करने के लिए देश भर के कुछ अच्छे कॉलेजों की बात करें तो नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इण्डिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद, नेशनल लॉ इन्स्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल, द वेस्ट बेंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्युरीडिकल साइंस, कोलकाता, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रायपुर, गुजरात

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी,

अहमदाबाद, डॉ.राममनोहर

लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी,

लखनऊ, राजीव गाँधी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, पटियाला, चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटना, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लागल स्टडीज, कोच्चि का नाम मुख्य रूप से गिनाया जा सकता है । यूं अधिकाश यूनिवर्सिटीज में यह कोर्स उपलब्ध हैं और देश के तमाम जिलों में आपको ऐसे कॉलेज मिल जायेंगे, जहाँ से आप लॉ में एडिमशन लेकर कानून की समझ बढ़ा सकते हैं । वर्तमान में इस कोर्स के स्कोप की बात करने की जरुरत नहीं है,

क्योंकि ट्रेडिशनल अदालती प्रैक्टिस के अलावा कॉरपोरेट वर्ल्ड में, एनजीओ में, बैंकिंग सेक्टर में, सरकार एवं उसके संस्थानों में, स्वतंत्र पत्रकारिता (फ्रीलांस जर्नलिज्म) में, सेना तक में, लॉ फर्म्स के साथ-साथन्यायिक सेवा तक में इसका विस्तार है।

बाद आपको सीएलएटी एग्जामिनेशन देना पडता है, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट कहा जाता है और यह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी द्वारा ऑर्गेनाइज किया जाता है।एग्जाम में आपसे लॉजिकल रीजनिंग, लीगल, एटीट्यूड, गणित, अंग्रेजी और जनरल क्वेश्चन पूछे जाते हैं। इसके बाद 5 साल के कोर्स में आप एडमिशन ले सकते हैं। सामान्यत : पांच साल के इन्टीग्रेटेड कोर्स के एंट्रेंस हेतु 200 अंकों के क्वेश्चन पेपर के लिए डेढ घंटे का टाइम दिया जाता है। इसमें इंग्लिश के 30 अंक, सामान्य ज्ञान के 50 अंक, लीगल

एप्टीट्यूड के 20 अंक, लीगल रीजनिंग के 20 अंक होते हैं एवं 30 अंकों का एक एस्से भी लिखना लॉ करने के बाद आपको इंटर्नशिप का कोर्स करना होता है और इस

दौरान आपको काफी कुछ ट्रेनिंग मिलती है। इंटर्नशिप के बाद आपको किसी भी राज्य के स्टेट बार काउंसिल में इनरोलमेंट के लिए अप्लाई करना होता है और उसके बाद ऑल इंडिया बार कौंसिल का एग्जामिनेशन विलयर करने के बाद आपको प्रैक्टिस का सर्टिंफिकेट मिल जाता है और

इसके बाद आप वकील बन जाते

हालाँकि, ग्रेजुएशन के बाद भी आप लॉ की पढाई कर सकते हैं और तब यह मात्र ३ साल का होता है । ग्रेजुएशन में भी आपको साधारणतया ५० परसेंट मार्क्स लाना होता है । वैसे एससी/ एसटी कटगरी स्टूडेंट्स के लिए इसमें

छूट भी होती है । लॉ की केटेगरी देखें तो मुख्यतः कॉर्पोरेट लॉ, क्रिमिनल लॉ, पेटेंट, एटर्नी, फैमिली लॉ, साइबर लॉ और बैंकिंग ला के रूप को गिनाया जा सकता है और किसी भी विषय में बाद में आप खुद को स्पेशलाइज कर सकते हैं। जैसा कि नाम के



एंट्री इंटरव्यू की तरह एग्जिट इंटरव्यू भी मायने रखता है

एंट्री इंटरव्यू की तरह ही किसी कंपनी का एग्जिट इंटरव्यू भी उत्ना ही मायने रखता है |नौकरी छोड़ने से पहले एग्जिट इंटरव्यू भले ही मात्र एचआर संबंधी औपचारिकता लेंगे लेकिन इसका मतलब ये नहीं हैं कि इसके लिए आप कोई तैयारी न करें। इंटरव्यू में अपने जवाबों को तैयार रखकर आप अपने लिए भविष्य में उस कंपनी के दरवाजे हमेशा खुले रख सकेंगे। आइए जानते हैं एग्जिट इटरव्यू कें लिए कुछ जरूरी टिप्सः

Universe: Making the right choice

ALL religions of the world lay stress on charity and helping the needy. Some advocate that a person should donate 1/10th of his earnings. Guru Nanak's emphasis on feeding the hungry led to the institution of langar in the Sikh tradition. Today, lakhs of people are served langar in gurdwaras. Every person, whether rich or poor, has to sit on the ground in a straight line called 'pangat' and partake of the food being served with all humility. When we talk of humility, it is applicable to the giver also. There should be no thought of ego in the attitude of the giver as well.In Jainism, the emphasis is on 'karmas' or deeds. Karmas are also called the 'karmic account' of a man during his lifetime. These include both good as well as bad deeds. The nine 'punyas' are ann' (food), 'paan' (water), 'layan' (land), 'shayan' (sleep), 'vastra' (clothes), 'man' (mind), 'vachan' (speech), 'kaya' (body), and, finally, 'namaskar' (to bow with humility). The nine 'punyas' hold a significant place in Jain religion.1. 'Ann' (food): Only a hungry man knows the importance of food. And after eating, he blesses one from the core of his heart. It is rightly said, "Bhukhe pait bhajan na hove Gopala", which means a person cannot even take God's name if he is hungry.2. 'Paan' (water): Water is all-important for a thirsty man. After quenching his thirst, he would remember God and thank Him.3. 'Layan' (land): If a person donates land for building a religious place or a hospital, he becomes great in the eyes of God.

- 4. 'Shayan' (sleep): A tired man feels indebted to the person who provides all such things that are essential for a night's rest. These include material to sleep, like a cot, bedsheet, pillow, blanket, etc.
- 5. 'Vastra' (clothes): Donate clothes to a person who is trembling in the cold. After wearing the warm clothes, he will express his gratitude to the giver and offer his blessings.6. 'Mann' (a noble-thinking mind): A man with noble thinking heightens his position in everybody's eyes.
- 7. 'Vachan' (speaking kind words and encouraging



someone): Kind words spoken with the right intention will boost the morale of a person who has come to the conclusion that all the ways for his well-being have been closed.8. 'Kaya' (body): Offer to comfort someone through noble efforts. For example, help an elderly person cross a busy road by holding his or her hand.

9. 'Namaskar' (humility): Bow before everyone with humility and forgiveness.

Likewise, there are seven bad deeds. These are 'jua' (gambling), which pushes one into the quagmire of economic loss; 'mansahar' or eating meat; 'sharab' or drinking wine; 'vaishagaman' or desire for a prostitute; 'shikaar'or the hunting of innocent animals; 'chori', stealing or taking away things without permission; and 'par-istrigaman', the desire for a woman other than your wife.

The choice ultimately is that of an individual, but the path shown is clear. That is as true for Jainism as for any other religion.

Eat, drink, be body-shamed

Can we please stop being competitive all the time and accept our own body as unique

So now the Lancet guys tell us that body mass index (BMI), a standard formula for measuring obesity, is not quite right. The updated version includes analysing the body composition of a person and deciding how much of weight is good (musclerelated) and how much (fat-related) is excludable. Gauging obesity or malnourishment through calculation of the BMI should, at best, be the first step, to be followed by a deeper analysis of the proportion of muscle mass and fat within the Does a perfect health card mean an entire rebuilding of person's body. Leafing through the newspapers, my mother once pointed out a supreme but somewhat under-reported irony. All the major dailies, she pointed out, were given to devoting a sizeable portion of their features section to wonderfully lavish cuisine and teaching how to score global foodie points by trying out all sorts of exotic food

and cooking practices. But this was followed by an equally sizeable bunch of pages that warned readers sternly against gluttony, and underscored how important it is to keep an ideal weight by following veganism, intermittent fasting and/or diets like Keto, or whatever. And then punishing the body with expensive workouts. The regrettable indulgence in tasty food may result, we are warned, in diabetes, congested arteries, osteoarthritis, colon cancer and god knows what else. So, poor readers gulp their saliva back and feel miserable whenever uncontrollable desires for hearty meals cross the mind, mother said. Obviously, the media or the publishers of bestsellers on special recipes, history of royal repasts and lavish temple bhogs do not see the contradiction. A mixture of information overload, lack of time and a deep atavistic fear of losing that lovely,

dimpled flesh has ensured that what older folk considered good hearty food becomes the new no-no. Books on food have continued registering a high even when sales of fiction and non-fiction are reportedly dropping. So, food is probably now like pornography for a schizophrenic society where the rich first overindulge, and then, like Roman nobility, throw up. Books on really good food are mostly savoured in privacy, but are no longer discussed in civilised company where socialites with hourglass figures body-shame their matronly counterparts routinely. And this has also turned dieticians' clinics into confessionals. "Is it not enough to have halved

my consumption of red meat, forgone desserts, walking up and down staircases and to the colony grocery?" you ask, humbly."No, it's just scratching the surface," the stern-looking anorexic dietician with a lantern jaw will tell you. If you actually dream of having those Malaika bottoms or Shah Rukh abs, your lifestyle has to be dramatically different from what it is today. And this is non-negotiable. That will be Rs 1,500, thank you.

the good life or can we, who have crossed over to the other side of 60, continue in our bad ways? Must we be varying our love for comfortable couches, nice cars and fancy restaurant-hopping holidays with 40minute punishment sessions in expensive gyms, with snooty coaches who look down their noses at all that celluloid and spare tyres? Fifty years ago, after



crossing 50, parents of grown-up kids might not have been demolished by terms like the "ravages of time" applied to somewhat flabby midriffs and sagging jaw lines. Expectations then were low, but in the age of Botox, Ozempic and liposuction, it is getting harder to accept ageing as inevitable with good grace and a resigned shrug. Too bad, for the grandchildren at least, who no longer get to nuzzle close to cheerfully plump grannies for a basic comforting human experience many of us recall with love and warmth. Can a lean, mean granny, who offers you granola bars and carrot sticks instead of homemade pinnis or gajar ka halwa oozing butter and sugar, and cooks brown rice with poached organic veggies, denies you fruit juice from cartons for fresh home-squeezed lauki/carrot juice instead match the ones who cooked you hearty biryanis in pure desi ghee and added a dollop of home-churned butter to your paranthas?

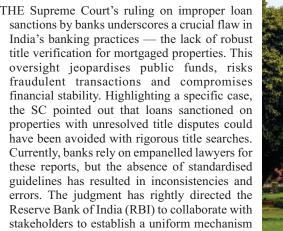
Nobody asked grannies then to cook what they did, but they soothed away all those nasty breakdowns in the making, hovering around their well-laden tables like battle axes and standing between leisurely meals and the clock summoning you for those unwelcome music lessons, homework and/or a demanding parent. True, there are social norms today that treat women who have stalled the natural ageing processes like honorary male warriors. But that is according too much honour to war. Perhaps we, the

midnight's female children, will be at ease with ageing only if we stop obsessing over the near-impossible goals of what we should look like, and appreciate our non-flat stomachs with stretch marks and our dimpled thighs as byproducts of unique lifegiving and nurturing experiences that we share with all women.Of course, changing media images would help. But that is not enough. What we need is more of old-style natural togetherness, especially among women who are working outside homes. We need places within workplaces where women of all ages can unwind and swap jokes and information like homemakers do in traditional watering holes of their own. Like most groups of the newly-empowered, women's faith in looking good by others' standards is yet to be shaken. And we have not quite absorbed facts such as the rising incidence of brittle bones, anorexia and

heart ailments related to fad diets and increased smoking and alcohol intake among women. Then, there is the economy-size guilt trip when we feel exhausted at the end of a long working day. Perhaps, our mothers and grandmothers did not give us healthy eating habits. Look at Madonna, the magazines say. Well, good for her, but can we please stop being competitive all the time and accept our own body as unique. We'll perhaps at that point discover that there is actually much more to real fitness than measuring tapes and weighing scales. And even the Lancet magazine accepts that now.

Loans and liabilities

SC tells banks to fix property title checks



The SC's proactive stance emphasises three significant aspects. First, it recommends criminal liability for bank officials who approve loans based on defective

for title clearance reports.



title reports, ensuring accountability within the sector. Second, the RBI must standardise the fees and quality benchmarks for title reports, discouraging cost-cutting measures that compromise accuracy. Lastly, banks are urged to prioritise diligence, preventing fraud and safeguarding public interest.

The directive also acknowledges practical challenges, such as the status of older or underconstruction properties that often lack certificates. These grey areas necessitate legal clarity to balance regulatory compliance with operational feasibility. As loans against property represent a significant portion of banking portfolios, especially for small and medium enterprises, the sector must act swiftly. The RBI's adherence to the SC guidance is essential not only to restore public trust but also to fortify the financial system against vulnerabilities. In implementing these reforms, India's banking sector has an opportunity to set a precedent for due diligence and accountability in property-

backed lending. The message is clear: public funds cannot be collateral damage in the race for profit.

Restoring the co-existence between bears and humans

The Asiatic black bear or reechh, or more endearingly bhaalu, is not only omnivorous but even omnipresent. They have shared the landscape and existed alongside humans, every now and then delighting themselves on apples and other fruits.

Restoring the co-existence between bears and humans The Asiatic black bear or reechh, or more endearingly bhaalu, is not only omnivorous but even omnipresent. They have shared the landscape and existed alongside humans, every now and then delighting themselves on apples and other fruits.

article AuthorIt was otherwise a usual October day at work, but for the frantic plea: "Shoot it." The call was received from the Shahdhar panchayat that abuts the famous Bhimakali temple in Sarahan. The cattle attacks had reached more than a dozen and the otherwise calm folks of the temperate mountains were losing their patience. Three humans, too, had been reportedly attacked! "Ye adamkhor hai. Isse shoot kijiye." Humans and bears seemed to be vying for each other's doom. The concern, pain and fright of the caller were all too relatable, but the call of duty was different. As Wildlife Warden of the Rampur Forest Division, one's mandate was clear — to protect the species given the highest protection under the law of the land. For their own safety, the bears had to be prevented from attacking humans! One more attack and the calls for their elimination could become impossible to resist. The Asiatic black bear or reechh, or more endearingly bhaalu, is not only omnivorous but even omnipresent. They have shared the landscape and existed alongside humans, every now and then delighting themselves on apples and other fruits. The elders at Shahdhar narrated that they had known bears to exist in their proximity for as many as 40 years, but never had such a spree of attacks on cattle happened. For now, the balance of co-existence had tipped. Smart camera trap imaging by the Rapid Rescue Team of the Rampur Forest

Division threw a likely explanation. It was a mother bear nursing two sub-adults. And it was October. Put together, the answer was clear: a mother was feeding and storing fat before the family's hibernation in winter. And it had just found an easy source — the cattle tied inside cowsheds having flimsy wooden doors that could be just pushed open any night when they felt hungry. Field investigations also brought to light that the three human attacks were either a result of surprise encounters, or when petrified cattle owners had tried to drive the bear(s) away and thrown stones in their direction. But never had the bears come after humans, in the way humans seemed to be now going after them. Even while the situation in Shahdhar was being managed, calls arose from other places from Bahali to Kamalahu of attacks on cattle by the bears. Field investigations in

Kamalahu revealed that the attacks had largely happened on cattle-sheds built on the fringes of a thick Ban forest, begging the question — who had entered whose territory, after all? The story of conflict management that unfolded in Shahdhar showed the grit, skill and commitment to duty of the frontline forest field staff. These unsung heroes did their routine duties in the day and then patrolled the conflict hotspot — an area of around 10 sq km — at night. Armed with mashaals and shock sticks, they kept up the vigil to keep humans and bears safe from each other. When even after repeated guidance, some



of the increasingly government-reliant citizens of Shahdhar would forget to burn red chilli in the cow dung outside their cattle sheds (a traditional way to keep bears away and found to be successful), these sentinels of the night would themselves carry out that ritual outside their cattle sheds. Where the danger was higher, an ANIDER (Animal Intrusion Detection and Repellent System) or two was deployed — a first in Rampur.

Going from door to door, and messaging daily on WhatsApp groups, they ensured everyone was informed and no one surprised the bears with chance encounters. Diwali came early and ended late for the

citizens of Shahdhar as the field staff kept bursting crackers through the night. In a first for Himachal Pradesh in recent history, the field staff, guided remotely by experts from the Wildlife Institute of India, Zoological Survey of India and Jammu and Kashmir Forest Department, made the first capture of a free roaming bear. It was one of the sub-adults. The team stayed up all night to ensure it was safe, also protecting themselves from its separated, ferocious mother — arguably one of the most dangerous animals in such a situation. And when the sub-adult would not be allowed to be released by the people back in their vicinity (and understandably so), they still ensured its best chance at survival — walking the tightrope between what is right and what is expected!A beautiful tale of selfreliance came to the fore from Kamalahu. The residents took it upon

themselves to undertake night vigils, and no further incidents were reported!

In Shahdhar, three bear captures (and releases) have been carried out, alleviating people's fears and bringing safety to the bears. Meanwhile, as winter set in, it was time for the bear family to finally hibernate. The time gained shall hopefully be utilised to strengthen the cattle sheds.

FullscreenMonths of effort seems to have tilted the balance back in favour of co-existence. But every wildlife manager knows that the balance is extremely precarious

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

www.thephotonnews.com Wednesday, 29 January 2025

Universe: Making the right choice

ALL religions of the world lay stress on charity and helping the needy. Some advocate that a person should donate 1/10th of his earnings. Guru Nanak's emphasis on feeding the hungry led to the institution of langar in the Sikh tradition. Today, lakhs of people are served langar in gurdwaras. Every person, whether rich or poor, has to sit on the ground in a straight line called 'pangat' and partake of the food being served with all humility. When we talk of humility, it is applicable to the giver also. There should be no thought of ego in the attitude of the giver as well.In Jainism, the emphasis is on 'karmas' or deeds. Karmas are also called the 'karmic account' of a man during his lifetime. These include both good as well as bad deeds. The nine 'punyas' are ann' (food), 'paan' (water), 'layan' (land), 'shayan' (sleep), 'vastra' (clothes), 'man' (mind), 'vachan' (speech), 'kaya' (body), and, finally, 'namaskar' (to bow with humility). The nine 'punyas' hold a significant place in Jain religion.1. 'Ann' (food): Only a hungry man knows the importance of food. And after eating, he blesses one from the core of his heart. It is rightly said, "Bhukhe pait bhajan na hoye Gopala", which means a person cannot even take God's name if he is hungry.2. 'Paan' (water): Water is all-important for a thirsty man. After quenching his thirst, he would remember God and thank Him.3. 'Layan' (land): If a person donates land for building a religious place or a hospital, he becomes great in the eyes of God.

4. 'Shayan' (sleep): A tired man feels indebted to the person who provides all such things that are essential for a night's rest. These include material to sleep, like a cot, bedsheet, pillow, blanket, etc.

5. 'Vastra' (clothes): Donate clothes to a person who is trembling in the cold. After wearing the warm clothes, he will express his gratitude to the giver and offer his blessings.6. 'Mann' (a noble-thinking mind): A man with noble thinking heightens his position in everybody's eyes.

7. 'Vachan' (speaking kind words and encouraging



someone): Kind words spoken with the right intention will boost the morale of a person who has come to the conclusion that all the ways for his well-being have been closed.8. 'Kaya' (body): Offer to comfort someone through noble efforts. For example, help an elderly person cross a busy road by holding his or her hand.

9. 'Namaskar' (humility): Bow before everyone with humility and forgiveness.

Likewise, there are seven bad deeds. These are 'jua' (gambling), which pushes one into the quagmire of economic loss; 'mansahar' or eating meat; 'sharab' or drinking wine; 'vaishagaman' or desire for a prostitute; 'shikaar'or the hunting of innocent animals; 'chori', stealing or taking away things without permission; and 'par-istrigaman', the desire for a woman other than your wife.

The choice ultimately is that of an individual, but the path shown is clear. That is as true for Jainism as for any other religion.

Eat, drink, be body-shamed

Can we please stop being competitive all the time and accept our own body as unique

So now the Lancet guys tell us that body mass index (BMI), a standard formula for measuring obesity, is not quite right. The updated version includes analysing the body composition of a person and deciding how much of weight is good (musclerelated) and how much (fat-related) is excludable. Gauging obesity or malnourishment through calculation of the BMI should, at best, be the first step, to be followed by a deeper analysis of the proportion of muscle mass and fat within the person's body. Leafing through the newspapers, my mother once pointed out a supreme but somewhat under-reported irony. All the major dailies, she pointed out, were given to devoting a sizeable portion of their features section to wonderfully lavish cuisine and teaching how to score global foodie points by trying out all sorts of exotic food

and cooking practices. But this was followed by an equally sizeable bunch of pages that warned readers sternly against gluttony, and underscored how important it is to keep an ideal weight by following veganism, intermittent fasting and/or diets like Keto, or whatever. And then punishing the body with expensive workouts. The regrettable indulgence in tasty food may result, we are warned, in diabetes, congested arteries, osteoarthritis, colon cancer and god knows what else. So, poor readers gulp their saliva back and feel miserable whenever uncontrollable desires for hearty meals cross the mind, mother said. Obviously, the media or the publishers of bestsellers on special recipes, history of royal repasts and lavish temple bhogs do not see the contradiction. A mixture of information overload, lack of time and a deep atavistic fear of losing that lovely,

dimpled flesh has ensured that what older folk considered good hearty food becomes the new no-no. Books on food have continued registering a high even when sales of fiction and non-fiction are reportedly dropping. So, food is probably now like pornography for a schizophrenic society where the rich first overindulge, and then, like Roman nobility, throw up. Books on really good food are mostly savoured in privacy, but are no longer discussed in civilised company where socialites with hourglass figures body-shame their matronly counterparts routinely. And this has also turned dieticians' clinics into confessionals. "Is it not enough to have halved

my consumption of red meat, forgone desserts, walking up and down staircases and to the colony grocery?" you ask, humbly."No, it's just scratching the surface," the stern-looking anorexic dietician with a lantern jaw will tell you. If you actually dream of having those Malaika bottoms or Shah Rukh abs, your lifestyle has to be dramatically different from what it is today. And this is non-negotiable. That will be Rs 1,500, thank you.

Does a perfect health card mean an entire rebuilding of the good life or can we, who have crossed over to the other side of 60, continue in our bad ways? Must we be varying our love for comfortable couches, nice cars and fancy restaurant-hopping holidays with 40minute punishment sessions in expensive gyms, with snooty coaches who look down their noses at all that celluloid and spare tyres? Fifty years ago, after



crossing 50, parents of grown-up kids might not have been demolished by terms like the "ravages of time" applied to somewhat flabby midriffs and sagging jaw lines. Expectations then were low, but in the age of Botox, Ozempic and liposuction, it is getting harder to accept ageing as inevitable with good grace and a resigned shrug. Too bad, for the grandchildren at least, who no longer get to nuzzle close to cheerfully plump grannies for a basic comforting human experience many of us recall with love and warmth. Can a lean, mean granny, who offers you granola bars and carrot sticks instead of

homemade pinnis or gajar ka halwa oozing butter and sugar, and cooks brown rice with poached organic veggies, denies you fruit juice from cartons for fresh home-squeezed lauki/carrot juice instead match the ones who cooked you hearty biryanis in pure desi ghee and added a dollop of home-churned butter to your paranthas?

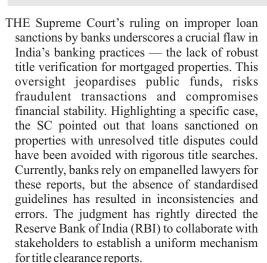
Nobody asked grannies then to cook what they did, but they soothed away all those nasty breakdowns in the making, hovering around their well-laden tables like battle axes and standing between leisurely meals and the clock summoning you for those unwelcome music lessons, homework and/or a demanding parent. True, there are social norms today that treat women who have stalled the natural ageing processes like honorary male warriors. But that is according too much honour to war. Perhaps we, the

> midnight's female children, will be at ease with ageing only if we stop obsessing over the near-impossible goals of what we should look like, and appreciate our non-flat stomachs with stretch marks and our dimpled thighs as byproducts of unique lifegiving and nurturing experiences that we share with all women.Of course, changing media images would help. But that is not enough. What we need is more of old-style natural togetherness, especially among women who are working outside homes. We need places within workplaces where women of all ages can unwind and swap jokes and information like homemakers do in traditional watering holes of their own. Like most groups of the newly-empowered, women's faith in looking good by others' standards is yet to be shaken. And we have not quite absorbed facts such as the rising incidence of brittle bones, anorexia and

heart ailments related to fad diets and increased smoking and alcohol intake among women. Then, there is the economy-size guilt trip when we feel exhausted at the end of a long working day. Perhaps, our mothers and grandmothers did not give us healthy eating habits. Look at Madonna, the magazines say. Well, good for her, but can we please stop being competitive all the time and accept our own body as unique. We'll perhaps at that point discover that there is actually much more to real fitness than measuring tapes and weighing scales. And even the Lancet magazine accepts that now.

Loans and liabilities

SC tells banks to fix property title checks



The SC's proactive stance emphasises three significant aspects. First, it recommends criminal liability for bank officials who approve loans based on defective



title reports, ensuring accountability within the sector. Second, the RBI must standardise the fees and quality benchmarks for title reports, discouraging cost-cutting

measures that compromise accuracy. Lastly, banks are urged to prioritise diligence, preventing fraud and safeguarding public interest.

The directive also acknowledges practical challenges, such as the status of older or underconstruction properties that often lack certificates. These grey areas necessitate legal clarity to balance regulatory compliance with operational feasibility. As loans against property represent a significant portion of banking portfolios, especially for small and medium enterprises, the sector must act swiftly. The RBI's adherence to the SC guidance is essential not only to restore public trust but also to fortify the financial system against vulnerabilities. In implementing these reforms, India's banking sector has an opportunity to set a precedent for due diligence and accountability in property-

backed lending. The message is clear: public funds cannot be collateral damage in the race for profit.

Restoring the co-existence between bears and humans

The Asiatic black bear or reechh, or more endearingly bhaalu, is not only omnivorous but even omnipresent. They have shared the landscape and existed alongside humans, every now and then delighting themselves on apples and other fruits.

Restoring the co-existence between bears and humans The Asiatic black bear or reechh, or more endearingly bhaalu, is not only omnivorous but even omnipresent. They have shared the landscape and existed alongside humans, every now and then delighting themselves on apples and other fruits.

article AuthorIt was otherwise a usual October day at work, but for the frantic plea: "Shoot it." The call was received from the Shahdhar panchayat that abuts the famous Bhimakali temple in Sarahan. The cattle attacks had reached more than a dozen and the otherwise calm folks of the temperate mountains were losing their patience. Three humans, too, had been reportedly attacked! "Ye adamkhor hai. Isse shoot kijiye." Humans and bears seemed to be vying for each other's doom. The concern, pain and fright of the caller were all too relatable, but the call of duty was different. As Wildlife Warden of the Rampur Forest Division, one's mandate was clear — to protect the species given the highest protection under the law of the land. For their own safety, the bears had to be prevented from attacking humans! One more attack and the calls for their elimination could become impossible to resist. The Asiatic black bear or reechh, or more endearingly bhaalu, is not only omnivorous but even omnipresent. They have shared the landscape and existed alongside humans, every now and then delighting themselves on apples and other fruits. The elders at Shahdhar narrated that they had known bears to exist in their proximity for as many as 40 years, but never had such a spree of attacks on cattle happened. For now, the balance of co-existence had tipped. Smart camera trap imaging

by the Rapid Rescue Team of the Rampur Forest

Division threw a likely explanation. It was a mother bear nursing two sub-adults. And it was October. Put together, the answer was clear: a mother was feeding and storing fat before the family's hibernation in winter. And it had just found an easy source — the cattle tied inside cowsheds having flimsy wooden doors that could be just pushed open any night when they felt hungry. Field investigations also brought to light that the three human attacks were either a result of surprise encounters, or when petrified cattle owners had tried to drive the bear(s) away and thrown stones in their direction. But never had the bears come after humans, in the way humans seemed to be now going after them. Even while the situation in Shahdhar was being managed, calls arose from other places from Bahali to Kamalahu of attacks on cattle by the bears. Field investigations in

Kamalahu revealed that the attacks had largely happened on cattle-sheds built on the fringes of a thick Ban forest, begging the question — who had entered whose territory, after all? The story of conflict management that unfolded in Shahdhar showed the grit, skill and commitment to duty of the frontline forest field staff. These unsung heroes did their routine duties in the day and then patrolled the conflict hotspot — an area of around 10 sq km — at night. Armed with mashaals and shock sticks, they kept up the vigil to keep humans and bears safe from each other. When even after repeated guidance, some



of the increasingly government-reliant citizens of Shahdhar would forget to burn red chilli in the cow dung outside their cattle sheds (a traditional way to keep bears away and found to be successful), these sentinels of the night would themselves carry out that ritual outside their cattle sheds. Where the danger was higher, an ANIDER (Animal Intrusion Detection and Repellent System) or two was deployed — a first in Rampur.

Going from door to door, and messaging daily on WhatsApp groups, they ensured everyone was informed and no one surprised the bears with chance encounters. Diwali came early and ended late for the

citizens of Shahdhar as the field staff kept bursting crackers through the night. In a first for Himachal Pradesh in recent history, the field staff, guided remotely by experts from the Wildlife Institute of India, Zoological Survey of India and

Jammu and Kashmir Forest Department, made the first capture of a free roaming bear. It was one of the sub-adults. The team stayed up all night to ensure it was safe, also protecting themselves from its separated, ferocious mother — arguably one of the most dangerous animals in such a situation. And when the sub-adult would not be allowed to be released by the people back in their vicinity (and understandably so), they still ensured its best chance at survival — walking the tightrope between what is right and what is expected!A beautiful tale of selfreliance came to the fore from

Kamalahu. The residents took it upon themselves to undertake night vigils, and no further incidents were reported!

In Shahdhar, three bear captures (and releases) have been carried out, alleviating people's fears and bringing safety to the bears. Meanwhile, as winter set in, it was time for the bear family to finally hibernate. The time gained shall hopefully be utilised to strengthen the cattle sheds.

FullscreenMonths of effort seems to have tilted the balance back in favour of co-existence. But every wildlife manager knows that the balance is extremely precarious

Sensex, Nifty open higher despite global tech sell-off sparked by DeepSeek

New Delhi. Benchmark stock market indices opened higher on Tuesday despite the global selloff in artificial stocks (AI) sparked by China's

The S&P BSE Sensex was up 366.45 points to 75,732.62 at around 9:16 am, while the NSE Nifty 50 rose 111.25 points to trade at 22,940.40.

Most of the other broader market indices also recovered after Monday's sharp selloff, sparked by concerns over US President Donald Trump's trade tariffs.Benchmark stock market indices opened higher on Tuesday despite the global selloff in artificial stocks (AI) sparked by China's Deepseek AI. The S&P BSE Sensex was up 366.45 points to 75,732.62 at around 9:16 am, while the NSE Nifty50 rose 111.25 points to trade at 22,940.40.

Most of the other broader market indices also recovered after Monday's sharp selloff, sparked by concerns over US President Donald Trump's trade tariffs.Benchmark stock market indices opened higher on Tuesday despite the global selloff in artificial stocks (AI) sparked by China's Deepseek AI. The S&P BSE Sensex was up 366.45 points to 75,732.62 at around 9:16 am, while the NSE Nifty50 rose 111.25 points to trade at 22,940.40.

Most of the other broader market indices also recovered after Monday's sharp selloff, sparked by concerns over US President Donald Trump's trade

Smallcap index sheds more than 13% in January

NEW DELHI. Investors are dumping smallcap stocks like never before. So far in January 2025, the Nifty Smallcap 100 has plummeted by over 13%, its worst monthly fall since the COVID-19 pandemic month of March 2020.

The Nifty midcap 100 index is also under pressure and has declined 9.45% this month.

Over the past five trading sessions, the Nifty Smallcap 100 has shed 9%, significantly underperforming the benchmark Nifty's 2% decline. The sharp fall in smallcap stocks comes after years of outperformance. Experts said a large number of midcap and smallcap stocks are unable to justify their valuations. December quarter results reported by small-cap companies in the past few days are far below street estimates. As per Trendlyne data, 85 stocks in the Nifty Smallcap 100 index are currently trading 20% to 60% lower than their respective one-year highs.

Sridhar Vembu steps down as CEO of Zoho

BENGALURU. SaaS unicorn Zoho Corp's cofounder Sridhar Vembu will step down as the company's CEO and assume a new role as Chief Scientist. He will be responsible for the company's R&D initiatives. Vembu in a post on X said, "In view of the various challenges and opportunities facing us, including recent major developments in AI, it has been decided that it is best that I should focus full time on R&D initiatives, along with pursuing my personal rural development mission."BENGALURU: SaaS unicorn Zoho Corp's co-founder Sridhar Vembu will step down as the company's CEO and assume a new role as Chief Scientist. He will be responsible for the company's R&D initiatives.

Vembu in a post on X said, "In view of the various challenges and opportunities facing us, including recent major developments in AI, it has been decided that it is best that I should focus full time on R&D initiatives, along with pursuing my personal rural development mission.

DeepSeek pips ChatGPT to become No. 1 productivity app on App Store

BENGALURU. DeepSeek's dramatic impact on tech stocks worldwide on Monday was likely also the result of the huge interest it has generated among consumers. The Chinese artificial intelligence app has soared to the No. 1 spot in Apple's App Store productivity category across major markets including the US, UK, China and India, overtaking ChatGPT and other rivals in the generative AI space. In Google Play in India, DeepSeek was only at No. 26 and ChatGPT at No. 4 in the productivity category, but this could change in the coming days with the attention it is receiving. Among DeepSeek's rivals building large language models (LLMs), Perplexity founder & CEO Aravind Srinivas was the only one to make a public comment on the Chinese company's accomplishment. He congratulated DeepSeek, and noted on X: "For a while, it wasn't clear who would beat ChatGPT for the first time. The best we (Perplexity) could manage was #8, a year ago. Look forward to using all their (DeepSeek's) models for search, assistant, and agents this year."Microsoft CEO Satya Nadella made an indirect reference to it. Speaking at the World Economic Forum, he said, "We should take the developments out of China very, very seriously."eepSeek is founded by Liang Wenfeng, who previously founded a hedge fund. What makes its achievement noteworthy has been its ability to make a ChatGPT-class language model at a fraction of ChatGPT's cost. DeepSeek's R1 AI model is said to match or even beat the likes of ChatGPT and Google's Gemini on multiple parameters. What's more, it's free, unlike ChatGPT that has a very limited free version.

Explained: Why China's DeepSeek triggered a slide in global Al stocks

Wall Street left tech and artificial intelligence (AI) companies reeling, with investors scrambling to make sense of the

Leading AI chipmaker Nvidia saw its market value nosedive, while shares of tech giants such as Microsoft, Alphabet, DeepSeek's breakthrough has people and Dell Technologies also faced sharp declines. The tremors weren't just limited to Wall Street; AI stocks worldwide felt the impact, all thanks to a Chinese startup called DeepSeek and the buzz around its AI models, DeepSeek-R1 and DeepSeek-V3.DeepSeek rattled the global tech landscape with its low-cost AI chatbot. Its arrival poses a serious challenge to industry-leading AI models in the US, given the fact that it does it at a fraction of the cost. The Chinese startup's impact hit Wall Street hard during the overnight trading session. The Nasdaq Composite plunged 3.07% while the S&P 500 dropped nearly 1.5%. Tech giants led the fall, with Nvidia's shares dropping nearly 17% to close at \$118.58. This marked a staggering \$593 billion market-cap loss in

a single day—doubling its previous record. The damage spread further as the Philadelphia Semiconductor Index tumbled 9.2%, marking its steepest drop since March 2020, with chipmakers

facing heavy selling pressure.

DEEPSEEK'S 'SPUTNIK MOMENT'

questioning the worth of industry leaders like OpenAI. Silicon Valley venture capitalist Marc Andreessen didn't mince words, calling DeepSeek's R1 model AI's "Sputnik moment."The comparison hits home—just as the Soviet Union's Sputnik launch kicked off the space race in the 1950s, DeepSeek's breakthrough could reshape the AI landscape. The startup's secret? Cost efficiency. DeepSeek claims its AI assistant needs less data than competitors like OpenAI's ChatGPT. It runs on just 2,000 Nvidia H800 chips, making it cheaper to operate. Better yet, the company says its new DeepSeek-R1 costs 20-50 times less than OpenAI's offerings. It may be noted that DeepSeek's app surpassed ChatGPT in downloads on Apple's App Store by Monday. Moreover,



the lower chip requirement raises eyebrows for another reason: it could help sidestep US export restrictions meant to slow China's AI progress.

BROADER MARKET FALLOUT

The damage wasn't limited to Nvidia. Other tech heavyweights like Microsoft, Alphabet, and Dell Technologies took serious hits.Semiconductor giant Broadcom's shares sank 17.4%, while AIfocused infrastructure companies like Digital Realty and Vertiv Holdings also got hammered. The selling spree spread overseas, with Japan's SoftBank and Europe's ASML joining the downward

HOW DID NVIDIA, OPENAI

After watching its share price tank, Nvidia a cknowledged Deep Seek's achievement but stood its ground, saying that its chips remain crucial to AI development. The chipmaker pointed out that DeepSeek's growing user base will still need substantial processing power, adding that that only highperformance Nvidia GPUs can provide.DeepSeek's AI model even received a word of praise from OpenAI CEO Sam Altman. He called that Chinese startup's R1 AI model impressive.

"DeepSeek's R1 is an impressive model, particularly around what they're able to deliver for the price," Altman said on X. WHAT NEXT?

DeepSeek's arrival has investors rethinking the AI-fuelled demand for chips, data centers, and power infrastructure that drove markets to record highs over the past two years. Brian Jacobsen, chief economist at Annex Wealth Management, told Reuters this could upend the "entire

Crypto industry expects simple tax structures, compliance in Budget 2025

BENGALURU. With Bitcoin prices continuing to rise and US President Donald Trump's order of creating a cryptocurrency working group, the virtual assets industry in India says the momentum is building up and that the country should remain in the forefront. They expect the upcoming Budget to

introduce a clear compliance framework and simplified tax structures. Though in 2022, the Budget provided some clarity to crypto ecosystem, it brought challenges with taxation. Edul Patel, co-founder & CEO of Mudrex said, "The 1% TDS on crypto transactions led many investors and traders to turn towards foreign exchanges, making it harder for the government to track activity. Additionally, the inability to

offset losses against gains has further discouraged investor participation." The crypto industry is looking forward to

a more balanced and progressive approach that would encourage innovation and support sustainable growth for the sector. Crypto exchanges expect a reduction in TDS to 0.01% and the allowance for offsetting losses as it could benefit investors and drive positive momentum in the industry. Nikhil Sethi, founder & MD, Zuvomo, said Budget 2025 is a critical moment for India to reclaim its leadership in the global tech ecosystem.



"India ranks No.1 in the number of crypto holders and No.3 in tech unicorns globally. Yet, we seem to have missed Web3 tsunami, which doubled its market cap in 2024 and saw DeFi TVL surge by 2000% year-on-year. Ambiguity in crypto compliance and a regressive tax regime have hindered innovation, pushing start-ups and talent overseas," he said.

"Approval of Bitcoin and Ethereum ETFs in the US in 2024 underlines the importance of forward-looking regulations. In a country with

thousands of tech startups, a thriving ecosystem and globally leading talent, the crypto industry expects balanced taxation, clear compliance frameworks, and innovation-friendly policies," he added. Last week, Bitcoin hit a alltime high of above \$1,09,000. Exchanges say it is pivotal for India to align its crypto policies with the global regulatory framework. Exchanges expect cut in TDS to 0.01%Crypto industry is looking forward to

a balanced and progressive approach that would encourage innovation and support growth for the sector. Crypto exchanges expect a cut in TDS to 0.01% and the allowance for offsetting losses as it could benefit investors and

Cred first non-bank to offer CBDC, launches e-rupee wallet for users

New Delhi. Fintech platform Cred on Tuesday launched a beta version of its e? wallet for select users, becoming the first non-bank platform to offer the central bank digital currency (CBDC). The company stated that the product was developed in collaboration with the Reserve Bank of India (RBI) and Yes Bank.

Yes Bank will function as the sponsor bank and enable CBDC issuance for Cred. At present, Cred operates as a third-party application provider (TPAP) on India's real-time payment system, the Unified Payments Interface (UPI).

The beta roll-out comes over 10 months after the central bank proposed making CBDC-R (CBDC-Retail) accessible to a broader population by allowing non-bank payment system operators to offer CBDC wallets. Nonbank payment system operators include TPAPs like PhonePe, Google Pay, and Paytm, among

CRED members whitelisted for the beta can pay UPI-linked bank accounts and send/receive money to other CBDC wallets," the Bengalurubased fintech firm said in a statement.

Users can create and load their e? wallets via UPI after completing video Know Your Customer (KYC). The wallet supports transactions of up to Rs 10,000 per transfer with a daily limit of Rs 50,000. Cred said that future updates will enable programmable merchant payments, CRED Pay integration, and PIN-less transactions below Rs 500.

The wallet will be made available to all platform users in the coming months. "The e? wallet is a milestone in India's financial evolution. With the support of RBI, we're enabling the creditworthy to shape the future of digital currency in the world's fastest-growing economy. Our goal is to make e? transactions frictionless and drive its adoption among the most creditworthy Indians," said Kunal Shah, founder of Cred.

The RBI launched a pilot for wholesale CBDC in November 2022 and for retail CBDC in December 2022.

The retail CBDC pilot saw the number of customers grow to 5 million by June 2024 from 1.3 million a year earlier, while the number of merchants increased to 0.42 million from 0.3 million, according to the RBI's Currency and Finance report. India is among 36 countries currently in the pilot stage for CBDCs.

Markets Rally In Early Trade Amid Heavy Buying In Banking Stocks; Sensex Climbs 382 Points

The complainant, Durgappa, who belongs to the tribal Bovi community, was a faculty member at the Centre for Sustainable Technology at the Indian Institute of Science (IISc).

Bengaluru. A case was registered against Infosys co-founder Senapathy Kris Gopalakrishnan, former IISc Director Balaram and 16 others under the Prevention of SC/ST Atrocities Act on Monday. The case was



registered at the Sadashiva Nagar police station based on the directions of the 71st city civil and session court (CCH). The complainant, Durgappa, who belongs to the tribal Bovi community, was a faculty member at the Centre for Sustainable Technology at the Indian Institute of Science (IISc).He claimed that in 2014, he was falsely implicated in a honey trap case and subsequently dismissed from service. He further alleged that he aawas subjected to casteist abuse and threats. The other individuals accused in this case include Govindan Rangarajan, Sridhar Warrier, Sandya Vishwswaraih, Hari K V

S, Dasappa, Balaram P, Hemalata Mhishi, Chattopadyaya K, Pradeep D Sawkar, and Manoharan. There was no immediate reaction from the IISc faculty or from Kris Gopalakrishnan, who also serves as a member of the HSc Board of Trustees.

Nvidia plunges \$593 billion as DeepSeek soars, biggest market loss in history

London/Boston/Singapore, US stock futures steadied, the dollar ticked higher and tech stocks in Asia slid on Tuesday following a wave of selling as apparent advances by a Chinese AI startup cast doubt on US dominance and spending in one of the market's hottest sectors.Overnight, chipmaker Nvidia dived 17 per cent, wiping off nearly USD 593 billion in the biggest market capitalisation loss in history."We are on the front edge of an urgent re-evaluation of a narrative that has gripped the market for almost two years. That makes it hard to shrug off after 36 hours," said Brent Donnelly, president of trading and analytics firm Spectra Markets."We are on the front edge of an urgent re- DeepSeek, a little-known startup from evaluation of a narrative that has gripped the market for almost two years. That makes it hard to shrug off after 36 hours," said Brent Donnelly, president of trading and analytics firm Spectra Markets.Data centre landlords tumbled in Australia. Tech heavy markets in Taiwan and South Korea were closed for a holiday.Nvidia accounted for most of the 3 per cent drop in the Nasdaq on Monday, though selling

extended from Tokyo to New York and hit everything with a slice of the AI supply chain, from cable makers to data centres, power utilities and software firms.The CBOE Volatility Index, known as Wall Street's fear gauge, leapt and safe-haven assets such as government bonds, the yen and the Swiss franc all rallied.

Ten-year US Treasury yields fell 9.5 basis points, and were last steady at 4.55 per cent in Asia. Fed fund futures have put in an extra 9 bps of easing by year-end. Even oil prices dropped 2 per cent on worries about energy demand.

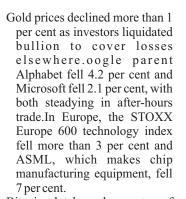
Hangzhou, China, has a free AI assistant it said was developed very cheaply using lower-cost chips and less data than US rivals."The narrative that's concerning people here is that DS has delivered performance-topping models on a shoestring budget," said JP Morgan sector specialist Josh Meyers in a note to clients. "This has been seen by some as egg-on-the-

face of the big, multi-billion dollar

operations like OpenAI, Google and Anthropic. And it's calling into question whether we're going to need multibillions of dollars in compute capex when DeepSeek's leading distilled models can run natively on an iPhone.'

BROAD RISK-OFF MOOD

On Wall Street, the S&P 500, dropped 1.5 per cent. Chipmaker Broadcom, fell 17.4 per cent and the Philadelphia semiconductor index dropped 9.2 per cent - its biggest loss since March 2020.



Bitcoin, lately a barometer of markets' risk appetite, dropped below USD 100,000 for the first time in a week before steadying around USD 101,700.

The dollar fell nearly 1 per cent against the yen overnight and 0.4 per cent against the Swiss franc - two currencies that often

gain during periods of market unease. Early on Tuesday it ticked higher against both, trading at 155.36 yen and making modest gains elsewhere, holding the euro to USD 1.0454. Markets in China were closed to usher in the Lunar New Year and Hong Kong trade closes at noon

Gurmeet Ram Rahim Singh gets out on 30day parole ahead of Delhi Assembly polls

Gurmeet Ram Rahim Singh: The Dera Sacha Sauda chief, currently serving a 20-year sentence in connection with two rape cases, was released on parole from Haryana's Sunaria jail.

⊳Gurmeet Ram Rahim Singh released from Haryana's Sunaria jail Singh has large following in multiple states First visit to Sirsa ashram since 2017 conviction

crime records

AAP tops in candidates with

NEW DELHI. As Delhi gears up for the February 5

elections, a report by Association for Democratic

Reforms (ADR) highlights trends in the wealth, criminal

records, and education levels of the 699 candidates

contesting the polls. The findings highlight the complex

interplay of wealth, criminality, and education in Delhi

The analysis reveals significant financial disparities



New Delhi. Dera Sacha Sauda chief Gurmeet Ram Rahim Singh, currently serving a 20-year sentence in connection with two rape cases, was granted parole for a month on

The parole comes ahead of the upcoming Delhi Assembly elections, scheduled to be held on February 5. Singh, who is housed in Haryana's Sunaria jail, was released on Tuesday morning, according to police sources. Singh has a large following in Delhi, Haryana, Punjab, Rajasthan and other states.Dera Sacha Sauda, headquartered in Haryana's Sirsa, also boasts a massive following across the state, including Fatehabad, Kurukshetra, Kaithal and Hisar. Singh's past paroles have mostly coincided with elections in north Indian states. Last time, Singh was released on parole in October 2024, three days ahead of the Haryana Assembly elections.

This will be the first time Singh will be visiting his ashram in Sirsa since his conviction in 2017.On previous occasions when Singh was out on parole, he was only allowed to visit his ashram in Uttar Pradesh's Baghpat.

Two girls killed in fourstorey building collapse in Delhi, 12 rescued



NEW DELHI. Two girls, aged 17 and 7, died in a four-storey building collapse in north Delhi's Burari area, police said on Tuesday.

The newly constructed building near Oscar Public School crashed on Monday evening. So far, 12 people have been rescued, police said. The deceased have been identified as Saadhna, 17, and Radhika, 7, they said.

A police officer said that a rescue operation is underway and more people could be trapped under the debris. The Delhi Police, in a statement issued on Monday night, said they received information about the collapse at around 7 pm.

It was a new construction spread in a 200 square yards area, it said. Police said that soon after the incident which was reported to the Delhi Police and Delhi Fire Services, a rescue operation was launched."Rescue operation is still underway. Multiple agencies like police, fire and NDRF are on the spot. Police have cordoned off the area and are collecting more details from the locals to know how many people are still trapped inside the building," said the officer.

We have launched an investigation into the matter and multiple teams have been formed. Legal action is under process against the building owner," he added. Soon after the incident, Delhi Chief Minister Atishi said on X that all possible

help would be provided to the affected people. This incident of building collapse in Burari is extremely sad. I have spoken to the local administration to ensure speedy relief and rescue operations. All possible help will be provided to the affected people," CM Atishi wrote in Hindi.

Battle for Kalkaji: Alka Lamba takes aim at Kejriwal, Atishi

New Delhi. Kalkaji is one of the most keenly watched Assembly constituencies for its triangular contest, with Alka Lamba of the Congress being pitched against AAP's Atishi and BJP's Ramesh Bidhuri.

Lamba, after a five-year stint in the Congress, joined the AAP in 2014 and was elected to the Assembly from Chandni Chowk in 2015. She parted ways with the party in September 2019 and returned to the Congress. She tells Ifrah Mufti how the battle is all about 'vikas' this time. Excerpts: With CM Atishi and Ramesh Bidhuri being in fray, what do you think about your

I don't think the fight is tough, but unfortunately the lives of people in the constituency are very tough. They are having a rough time. So, they demand a change in the government. Though she is CM, Atishi's photographs are missing in the constituency. Instead Kejriwal's photographs are all over. She is seeking votes on Kejriwal's photograph and name. She has no connect with the people on the ground. However, the people in the city have seen me working since I was 19year-old. My accessibility stands out.

What is your vision for the constituency?

I would like to provide the basic amenities in the constituency because residents are already grappling with difficult situations. The way we have worked on the Shahjahanabad Redevelopment Project in order to transform Old Delhi, I plan to initiate similar projects in the Kalkaji constituency as well. I need to work on roads, safety, security, water and pollution. Everyone remembers that Delhi was all lush green during the Sheila Dikshit government. However, the green cover has drastically declined in the last 10 years. We need to work on

Stage collapses at religious event in UP's Baghpat, 5 killed, several injured

A stage collapsed at a Jain Nirvana festival in Uttar Pradesh's Baghpat on Tuesday morning, killing 5 and injuring dozens, including women and children.

New Delhi. A stage collapsed at a Jain Nirvana festival in Uttar Pradesh's Baghpat on Tuesday morning, killing 5 and injuring dozens, including women

The incident happened during the ceremony of offering laddoos to Lord Adinath in the presence of Jain monks. Officials, including senior police officials, rushed to the spot with a heavy police deployment to manage the situation. The injured were

immediately rushed to the hospital for



Supreme Court stays Madras High Court order against Chennai Police Commissioner

Anna University sexual assault case: The Supreme Court stayed the Madras High Court order against Chennai Police Commissioner, highlighting the need to prevent the survivor's identity from leaking in the Anna University sexual assault case. The court further ordered the SIT investigation to continue.

Monday stayed the Madras High Court's order calling for an enquiry

against Chennai Police Commissioner in connection with the alleged Anna University sexual assault case. The stay, issued by a bench comprising Justices BV Nagarathna and Satish Chandra Sharma, comes in response to a plea by the Tamil Nadu government challenging the high court's observations against the

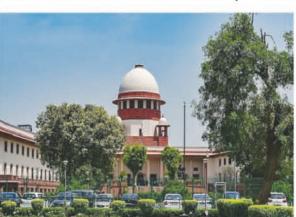
The high court had earlier criticised the Commissioner for revealing the survivor's identity in the FIR and

Commissioner.

questioned the language used in the FIR, suggesting it contributed to against the Commissioner.

New Delhi. The Supreme Court on In its interim order, the Supreme Court stayed the high court's directives and Rohatgi explained that the FIR, filed on stated that the disclosure of the

survivor's details caused "secondary



trauma," highlighting the need to prevent such lapses. Senior Advocate Mukul Rohatgi, representing Tamil were unwarranted.

December 24, was uploaded to the Crime and Criminal Tracking Network and Systems (CCTNS), a central system

> National Informatics Centre (NIC). The Tamil Nadu government has since taken steps to address the issue, including filing FIRs, blocking URLs, and sensitizing officials to

designed to block sensitive

information. The leak

occurred due to a technical

issue reported by the

prevent further leaks. The Supreme Court also allowed the Special

Investigation Team (SIT) to continue its probe into the case while

victim-blaming. It also directed dismissing questions over the state Nadu, argued that while the state departmental action and an inquiry filing the appeal instead of the supports the victim, the high court's remarks against the Commissioner Shooter's 'Dawood Ibrahim, 1993 Bombay blasts' link in Baba Siddique's murder

Shivakumar Gautam, the alleged main shooter in the Baba Siddique murder case, alleged that gangster Anmol Bishnoi ordered him and his aide to kill the NCP leader over his "ties with Dawood Ibrahim and the 1993 Bombay blasts".

Mumba. Gangster Anmol Bishnoi had ordered the shooting of NCP leader Baba Siddique for his "association with Dawood Ibrahim and involvement in the 1993 Bombay blasts", alleged main shooter Shivkumar Gautam said in his confessional statement to the police. He also claimed he was asked to kill Baba Siddique or his son Zeeshan Siddique and promised Rs 10-15 lakh to carry out the

> Gangster Anmol Bishnoi had ordered the shooting of NCP leader Baba Siddique for his "association with Dawood Ibrahim and involvement in the 1993 Bombay blasts", alleged main shooter Shivkumar Gautam said in his confessional statement to the police. He also claimed he was asked to kill Baba Siddique or his son Zeeshan Siddique and promised Rs 10-15 lakh to carry out the crime.

Gautam confessed that he and his associate,



Dharmaraj Kashyap, were promised Rs 10-15 lakh to kill Baba Siddique and potentially Zeeshan Siddique.

Introduced to the gang through mutual contacts, Gautam described how he became entangled in the plot, orchestrated using Snapchat for communication and funded through bank transactions. The murder was meticulously planned over several months, with reconnaissance missions

One day, Shubham Lonkar told the shooter that he and his brother worked for the Bishnoi gang. In June 2024, Shubham Lonkar (Shubbu) told me and Dharmaraj Kashyap that if we did a job at his behest, we could be paid Rs 10-15 lakh. When I asked about the work, Shubham told us we were to kill a man named Baba Siddique or his son, Zesshan Siddique. But he didn't give any further details," Gautam said." After a few days, Shubham Lonkar reminded us about the murder and asked us if we were scared. Then, Dharmaraj Kashyap and I told him we would do the work and asked for the money," he added.

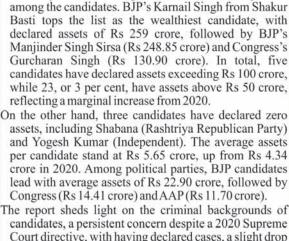
Gautam disclosed that weapons were supplied by Bishnoi gang members based in Mumbai, and fake identity cards were provided to facilitate their movements.

conducted at Siddique's residence and His confession detailed the gang's strategy to inspire confidence in the shooters. Bishnoi, Lonkar and their aides frequently communicated via Snapchat, motivating them and assuring financial and logistical support.

he shooters practiced with the supplied firearms in a secluded forest near Khopoli before carrying out the attack. After the shooting, Gautam said he discarded the murder weapon and his mobile phone to evade detection.

He fled to various cities before being arrested in Lucknow while allegedly planning to escape to Nepal with the help

The chargesheet also suggested a sprawling network involving several Bishnoi gang members and accomplices across multiple states. The gang's alleged motive was linked to Siddique's high-profile connections and his family's prominence.



candidates, a persistent concern despite a 2020 Supreme Court directive, with having declared cases, a slight drop from 20per cent in 2020, 12per cent face serious charges, including murder and crimes against women. The ruling AAP has the highest proportion of candidates with criminal cases (63 per cent), with 41 per cent facing serious charges. The Congress follows with 41 per cent of its candidates declaring criminal cases, including 19 per cent with serious allegations. The BJP has the lowest proportion, with 29 per cent of its candidates having criminal records and 13 per cent facing serious charges. The report reveals a diverse range of educational qualifications, with 46 per cent haing education levels ranging from Class 5 to Class 12, while the remaining 46 per cent hold higher qualifications, including undergraduate, professional, and postgraduate degrees. Eight candidates have PhDs. Notably, 29 candidates are illiterate, up from 16 in 2020, reflecting broader participation from various backgrounds.

Delhiites want 'AAPda-mukt' capital: Baijayant Panda

On the AAP's future, he said, "As everything comes full circle, AAPda rule in Delhi has also come full circle.



NEW DELHI. The BJP is optimistic about securing a two-thirds majority, defeating the ruling AAP, national vice-president and Delhi BJP in-charge Baijayant 'Jay' Panda has told this newspaper. He cited "widespread public discontent" against AAP, which he called "AAPda" due to its alleged failure in driving development, as the primary reason.

Drawing on feedback from all assembly seats, Panda said, "Delhi wants to become 'AAPda-mukt' and bloom in prosperity with lotus under Modi's guarantees." He said, "The people have trust in Modi's guarantee and don't want to cope with AAPda even for a moment."On the AAP's future, he said, "As everything comes full circle, AAPda rule in Delhi has also come full circle. The janata (public) are tired of its fake promises and lack of development and now want to give us a chance.'

He claimed that AAP lacks a credible leader as many, including Arvind Kejriwal, face corruption charges. 'The bail conditions are very strict as AAPda's earlier face (referring to Kejriwal) cannot sign papers. There are classroom scams, medical scams, and many others. He can't go to the CMO. He can't become CM," Panda said. He said Purvanchali voters, neglected by AAP in last three elections, are now leaning towards the BJP.

Who Lost, Who Won After Selloff Linked To DeepSeek Slams Markets

World. The world's 500 richest people, led by Nvidia Corp. co-founder Jensen Huang, lost a combined \$108 billion on Monday as a tech-led selloff tied to Chinese AI developer DeepSeek sent major indices plunging.Billionaires whose fortunes are linked to artificial intelligence were the biggest losers: Huang saw his fortune fall \$20.1 billion, a 20% drop, while Oracle Corp. co-founder Larry Ellison's \$22.6 billion loss was larger in absolute terms, but represented just 12% of his fortune, according to the Bloomberg Billionaires Index. Dell Inc.'s Michael Dell lost \$13 billion, and Binance Holdings Ltd. cofounder Changpeng "CZ" Zhao shaved \$12.1 billion. Tech-sector titans as a group saw \$94 billion of wealth evaporate - roughly 85% of the Bloomberg index's total decline. The Nasdaq Composite Index fell 3.1%, and the S&P 500 dropped 1.5%.

Hangzhou-based DeepSeek has been developing AI models since 2023, but the company first came onto the radar of many Western investors this weekend as its free DeepSeek R1 chatbot app topped download charts worldwide. So many new users piled in that DeepSeek struggled to keep the app online, suffering outages and forcing it to restrict signups to users with Chinese phone numbers.DeepSeek's dark-horse entry into the AI race, which it says cost just \$5.6 million to develop, is a challenge to Silicon Valley's narrative that massive capital spending is essential to developing the strongest models. That delivered a serious blow to billionaires whose fortunes are tied to the Western AI supply chain that's been the equities market's biggest driver over the past two years.

Similar Playbook

Soaring valuations for so-called AI hyperscalers including Meta Platforms Inc., Alphabet Inc. and Microsoft Corp. - have generated billions in wealth for their owners since OpenAI unveiled ChatGPT in November 2022. These companies have for the most part operated on a similar playbook: Spend huge sums to develop and run AI systems by hoarding topof-the-line semiconductors and the energy supplies

Astronomers Discover How Massive Black Holes Create Their Own Meals

World. The universe's most massive black holes fuel themselves by cooling gas around them, astronomers have found. Using data from NASA's Chandra X-ray Observatory and the Very Large Telescope (VLT) in Chile, researchers have demonstrated how black hole outbursts trigger a self-sustaining feeding process.

The study, published in Nature Astronomy and led by Valeria Olivares from the University of Santiago de Chile, examined seven galaxy clusters. At the centres of these clusters lie enormous black holes, weighing millions to billions of times the Sun's mass. These black holes feed on surrounding gas, releasing powerful jets that cool the gas and form filaments.

The research found that outbursts from black holes cool hot gas, forming narrow filaments of warm gas visible as glowing threads. Turbulence in the gas plays a key role in this cooling process. Some of the warm gas flows back into the black hole, fuelling more outbursts and continuing the cycle.

One key discovery was that the brightness of hot gas is linked to the brightness of warm gas in the clusters' centres. When the hot gas shines brighter, the warm gas glows more intensely, confirming how black holes feed on surrounding gas.

Two galaxy clusters - Perseus and Centaurus - offer a striking visual of this phenomenon. Perseus Cluster: The hot gas appears bluish-purple with solid pink filaments, while surrounding galaxies shine brightly. Centaurus Cluster: The gas has a softer, diffused look,

with filaments showing delicate, feathery textures. Both clusters display central black holes surrounded by glowing filaments of gas, a visual representation of the self-sustaining feeding mechanism. The study noted similarities between the gas filaments in galaxy clusters and the tails of "jellyfish galaxies," where gas is stripped as galaxies move through their surroundings. This unexpected connection suggests a shared process across different cosmic phenomena.

The research brought together experts from Chile, the US, Australia, Canada, and Italy, leveraging advanced tools like the VLT's MUSE (Multi Unit Spectroscopic Explorer) instrument to create 3D views of the universe. NASA's Chandra programme, managed from Alabama, provided the X-ray data critical to this discovery.

'Will deport illegal immigrants': Indian-origin Ruby Dhalla after joining Canada PM race

World. Ruby Dhalla, a candidate for Liberal Party leadership and potential prime ministerial position in Canada, made a firm statement on Tuesday regarding her stance on illegal immigration, promising deportation if elected. On the social media platform X, Dhalla stated, "As Prime Minister, I will deport illegal immigrants and clamp down on human traffickers. That's my promise to you."Dhalla, an Indian-origin former MP, represented the now-defunct riding of Brampton-Springdale from 2004 to 2011. She officially entered the race to replace Justin Trudeau as the Liberal Party leader and potentially the next prime minister of Canada.In another post, Dhalla shared a video on X, where she said, "Thank you so much, thank you to God, I am so grateful to all of you. We are on the verge of creating history by electing the first woman of color as the leader of the Liberal Party and the next prime minister of Canada. "Dhalla also added, "Phase 1 is over, we go on to phase 2 and engage with liberals all across the country, who have signed up as members of our party. I'm incredibly excited to be officially accepted as a candidate by the Liberal Party. My candidacy will engage an entirely.

US Immigration officers say 'the worst go first,' but now there's no 'free pass'

Trump's second presidency and his efforts to crack down on illegal immigration, federal officers are operating with a new sense of mission, knowing that "nobody gets a free pass anymore."A dozen officers from Immigration and Customs Enforcement gathered before dawn Monday in a Maryland parking lot, then fanned out to the Washington suburbs to find their targets: someone wanted in El Salvador for homicide, a person convicted of armed robbery, a migrant found guilty of possessing child sexual abuse material and another with drug and gun convictions. All were in the country illegally."The worst go first," Matt Elliston, director of ICE's Baltimore field office, said of the agency's enforcement priorities. The Associated Press accompanied the officers, who offered a glimpse of how their work has changed under a White House intent on deporting large numbers of immigrants living in the US without permission.People considered public safety and national security threats are still the top priority, Elliston said. That is no different from the

already taken hold: Under Trump, officers can now arrest people without legal status if they run across them while looking for migrants targeted for removal. Under Joe Biden, such "collateral arrests" were banned."We're looking for those public safety, national security cases. The big difference being, nobody has a free pass anymore," Elliston said. The number of collateral arrests has fluctuated, he said. By the end of Monday across Maryland, ICE had arrested 13 people. Of those, nine were targets and the other four were people ICE came across during the course of the morning.f those "collaterals," one had an aggravated theft conviction. Another had already been deported once, and two others had final orders of removal. Changes to immigration enforcement under Trump

he administration highlighted the participation of other agencies in immigration operations over the weekend, including the FBI, the Drug Enforcement Administration and the Bureau of Alcohol, Tobacco, Firearms and Explosives, which



are part of the Justice Department.

Emile Bove, the acting deputy attorney general, observed arrests Sunday in Chicago, a sign of the Justice Department's growing involvement.ICE's daily arrests, which averaged 311 in the year ending Sept. 30, stayed fairly steady in the first days after Trump took office, then spiked dramatically Sunday to 956 and Monday to 1,179. If sustained, those numbers would mark the highest daily average since ICE began keeping records. Trump also has lifted longtime guidelines that restricted ICE from operating at "sensitive locations" such as schools, churches or hospitals. That

advocates who fear children will be traumatized by seeing their parents arrested in the drop-off line at school or that migrants needing medical care won't go to the hospital for fear of arrest. Elliston pushed back on those fear, saying it's been exceedingly rare for ICE to enter one of those locations. In his 17 years on the job, he said he's gone into a school only once and that was to help

stop an active shooter.He said the removal of other guidelines that had restricted ICE operations at courthouses makes a bigger difference in the agency's work.But getting rid of the sensitive locations policy does affect ICE in more subtle ways. For example, at one point Monday, the team stopped at a parking lot in hopes of catching a Venezuelan gang member who was believed to be working as a delivery driver at a nearby business. Across the street was a church, and one street over was an elementary school, which under the previous guidance would have made it off limits to park to do

China Zoo Sells Tiger Urine As A Cure For Rheumatism, Sparks Backlash

World. A zoo in southwestern China's Sichuan province has raised safety concerns by selling tiger urine as a purported treatment for rheumatism. The Yaan Bifengxia Wildlife Zoo, a popular tourist attraction, is offering bottles of "medicinal tiger urine" from Siberian tigers for 50 yuan (Rs 596) each, South China Morning Post reported. The bottles, containing 250g of urine, claim to have a therapeutic effect on conditions like rheumatoid arthritis, sprains, and muscle pain.

The recommended application involves mixing the urine with white wine and applying it to the affected area with ginger slices. According to the zoo's instructions, the tiger urine can also be consumed orally, but users are advised to stop taking it if they experience any allergic reactions.

A staff member from the scenic area revealed to The Paper that the urine is collected from a basin after the tiger urinates, but it remains unclear whether the urine undergoes any disinfection process before being sold to customers. The staff member disclosed that sales of the tiger urine are modest, with no



more than two bottles sold per day. In 2014, the zoo allegedly awarded tiger urine as a prize to celebrity contestants on an outdoor reality show. pharmacist from Hubei Provincial Traditional Chinese Medicine Hospital has since come forward to debunk the medicinal claims surrounding tiger urine. The pharmacist, who wished to remain anonymous, stated that tiger urine has no basis in traditional Chinese medicine and lacks scientific evidence to support its purported health benefits. He expressed concerns that promoting unproven remedies like tiger urine not only misrepresents traditional Chinese medicine but also undermines tiger

conservation efforts. The pharmacist cautioned tourists against using unverified substances, warning that they may exacerbate health conditions rather than alleviate them

traditional Chinese medicine practitioner has raised further concerns about the zoo's sale of tiger urine, questioning their authority to sell medicinal products. The practitioner emphasised that all medicines must

undergo rigorous approval by government regulators, casting doubt on the zoo's legitimacy in selling tiger urine as a medicinal product.

Despite these concerns, zoo staff maintained that they possess a valid business license to sell tiger urine, although it remains unclear whether this license specifically permits the sale of medicinal products.

This unconventional remedy has sparked concerns among visitors and internet users. One user said, "I bought some for my dad out of curiosity, but have not seen any effect, so it is just sitting

Coca-Cola Orders Massive **Europe Recall Due To** Safety Concerns Over High Chlorate Levels

Brussels. The European bottling unit of Coca-Cola said Monday that it had ordered a major recall of Coke, Sprite and other beverages after detecting high levels of chlorate, which poses potential health risks.

Coca-Cola said cans and glass bottles containing elevated levels of the substance were distributed in Belgium, the Netherlands, Britain, Germany, France and Luxembourg since November, Coca-Cola Europacific Partners Belgium told AFP.

'We do not have a precise figure, but it is clear that it is a considerable quantity," the firm said of the amount of drinks involved. Chlorate can be found in foods as it derives from chlorine disinfectants widely used in water treatment and food processing. In a 2015 scientific opinion, the European Food Safety Authority said long-term exposure to chlorate posed a potential health concern for children, especially those with mild



or moderate iodine deficiency."The majority of the affected and unsold products have already been removed from store shelves and we continue to take measures to remove all remaining products from the market," Coca-Cola Europacific Partners Belgium

an associated risk" was "very low". Brussels: The European bottling unit of Coca-Cola said Monday that it had ordered a major recall of Coke, Sprite and other beverages after detecting high levels of chlorate,

said. But the company's French branch said analysis by

independent experts "concluded that the probability of

which poses potential health risks. Coca-Cola said cans and glass bottles containing elevated levels of the substance were distributed in Belgium, the Netherlands, Britain, Germany, France

In a 2015 scientific opinion, the European Food Safety Authority said long-term exposure to chlorate posed a potential health concern for children, especially those with mild or moderate iodine deficiency.

No Immigration Raids At New Yorks Gurdwaras: Sikh Community Leaders

New York. Sikh community leaders have Rajwant Singh, the chairman of the Sikh immigration officers entering churches said that there have been no raids on Gurdwaras contradicting reports in some Indian mediaSukhjinder Singh Nijjar, who was at New York's Richmond Hill Gurdwara, a major Sikh centre, on Sunday said the prayer services were conducted reverently and there was no interference by anyone.

There were no raids or any law enforcement actions at other Gurdwaras in New York and New Jersey either, said Mr Nijjar who is with the Sikh Cultural Society representing the Coastal Northeast and was the chairman of its public and media committee.He attributed the misreporting to "some sort of misunderstanding and miscommunication" and "just basically word of mouth type of thing that" gets spread with no basis in fact.

Council on Religion and Education, visits to the temples by immigration or other agencies. The Sikh community in New York and New Jersey has good relations at "all levels of government representatives, including the Justice Department and the White House", he said. The community has "contributed immensely to the local life and has helped many people during COVID and the service continues" and that is appreciated, Mr Singh said.Mr Nijjar said that Gurdwaras have good relations with government agencies and his own temple, for example, holds regular meetings with officials who visit at the Gurdwara's invitation to discuss community matters.President Donald Trump's administration last week withdrew a policy against

or schools to make arrests. discounted the reports of the raids or The Department of Homeland Security (DHS) said, "Criminals will no longer be able to hide in America's schools and

churches to avoid arrest". Although it mentioned only churches – which has been condemned by Christian organisations - other religions have also expressed concern over its broader ramifications. The Sikh American Legal Defense and Education Fund (SALDEF), like many other religious and civil rights organisations, has condemned the policy change.

Expressing deep alarm over the change, SALDEF Executive Director Kiran Kaur Gill, said, "Targeting these spaces for enforcement actions threatens the sanctity of our faith and sends a chilling message to immigrant communities

and Luxembourg since November, Coca-Cola Europacific Partners Belgium told AFP."We do not have a precise figure, but it is clear that it is a considerable quantity," the firm said of the amount of drinks involved. Chlorate can be found in foods as it derives from chlorine disinfectants widelz

Trump fills his government with billionaires after running on working-class message

ATLANTA. US President Donald Trump's brash populism has always involved incongruence: the billionaire businessmanpolitician stirring the passions of millions who, regardless of the economy's trajectory, could never afford to live in his Manhattan skyscraper or visit his club in south Florida. His second White House is looking a lot like the inside of Mar-a-Lago, with extremely wealthy Americans taking key roles in his administration.

The world's richest man, Elon Musk, is overseeing a new Department of Government Efficiency. Billionaires or mega-millionaires are lined up to run the treasury, commerce, interior and education departments, NASA and the Small Business Administration, and fill key foreign posts."He's bringing in folks who have had great success in the private sector," said Debbie Dooley, an early 2015 Trump supporter and onetime national organizer in the anti-establishment Tea Party movement. "If you need to have brain surgery, you want the proven brain surgeons."Others raise concerns about conflicts of interest at odds with Trump's

pledge to fight for "forgotten men and women" in a country where the median household net worth is about \$193,000 and median annual household income is about

"It's hard to conceive how the wealthiest set of Cabinet nominees and White House appointments in history will understand what average working people are going through," said former Labor Secretary Robert Reich, who served under President Bill Clinton and has warned for decades about the nation's widening wealth and wage gaps.Countered Dooley: "Trump sets the agenda. If they won't enact his policies, then they will hear him say what we hear on The Apprentice' all the time: 'You're fired!"'Here is a closer look at some of Trump's picks, their net worth according to Forbes, and hat the choices could mean:

Elon Musk

Musk (net worth estimated above \$400 billion) is chairing the new Department of Government Efficiency, which is a special commission charged with slashing federal spending. The extensive ties his businesses have to the government have raised



questions about Musk's potential conflicts in the role.

Linda McMahon

McMahon was picked to be Trump's secretary of education. She is the wife of Vince McMahon, who is worth at least \$3 billion. The former WWE wrestling executive will lead an agency that many conservatives have called for abolishing altogether. While that's a heavy lift politically, McMahon and Trump have endorsed an expansion of "school choice," programs that steer taxpayer money to private school tuition. She also could be in charge of implementing Trump's proposals

to withhold federal money from public schools — K-12 and higher education that do not meet White House demands to modify or scrap diversity programs.

Doug Burgum

The North Dakota governor (estimated net worth \$1.1 billion) made his money as a software entrepreneur. Burgum impressed Trump during his own failed bid for the GOP's 2024 presidential nomination. As interior secretary, Burgum would be charged with implementing Trump's "Drill, baby, drill" promise — making it even easier for energy companies to tap fossil fuel resources, including from public lands.

Scott Bessent

Forbes has not yet identified Bessent as a billionaire, but the veteran hedge fund manager confirmed Monday as treasury secretary certainly is worth many hundreds of millions. At Treasury, he will play key roles in selling and implementing a number of Trump's signature policies: reinstating the 2017 tax cuts tilted to corporations and wealthy individuals, imposing tariffs on many imports and cutting taxes on overtime wages, Social Security benefits and.

Sri Lanka vs Australia Test series Live Streaming: Squads and all you need to know

New Delhi Sri Lanka and Australia are all set to take part in a two-match Test series, starting Wednesday, January 29. The series doesn't hold much relevance from the viewpoint of the ongoing World Test Championship cycle. While the Aussies are already through to the final against South Africa at the Lord's Cricket Ground, Sri Lanka are out of contention for a berth in the summit clash.Australia will be captained by Steve Smith in the absence of Pat Cummins, who is currently on paternity leave. Pacer Josh Hazlewood is also not a part of the squad as he continues to recover from a calf injury that he sustained during the Border Gavaskar Trophy against India. Mitchell Marsh has also been



left out after he failed to perform against

For Sri Lanka, Dhananjaya de Silva, Kamindu Mendis and Pathum Nissanka, who all have injury concerns, were included in the squad. Nissanka, who has been dealing with a groin injury, is also likely to miss the opening Test. Lahiru Udara and Sonal Dinusha are in contention to make their debuts in the upcoming series. Where to watch Sri Lanka vs Australia Test series live in India? There is no confirmation of the live telecast of the Sri Lanka vs Australia Test series in India. Live Streaming of the Tests will be available on Fancode.When to watch Sri Lanka vs Australia Test series live in India?The Sri Lanka vs Australia Tests will start at 10 AM IST, 04:30 AM GMT and 10 AM local time.

Dhananjaya de Silva (C), Dimuth Karunaratne, Pathum Nissanka, Oshada Fernando, Lahiru Udara, Dinesh Chandimal, Angelo Mathews, Kamindu Mendis, Kusal Mendis, Sadeera Samarawickrama, Sonal Dinusha, Prabath Jayasuriya, Jeffrey Vandersay, Nishan Peiris, Asitha Fernando, Vishwa Fernando, Lahiru Kumara, Milan RathnayakeSteve Smith (captain), Sean Abbott, Scott Boland, Alex Carey, Cooper Connolly, Travis Head.

Brazil defender Danilo leaves Juventus by mutual agreement ahead of Veiga loan move

NEW DELHI. Brazilian defender Danilo has left Juventus by mutual agreement to terminate the player's contract, the Serie A club said on Monday. Danilo has scored nine goals in 213 appearances since joining the Serie A club in 2019. The Brazilian defender chose to leave the club before his contract expires in June. His last appearance in the Italian league was against Venezia in December of last year."Dear Bianconeri, I don't even know where to begin. I knew this day would come sooner or later, but one is never ready for goodbyes. Five and a half years have passed, but to me, it feels like an entire lifetime," Danilo posted on his social media."... What fills me with a sense of



changed my way of being, nor my way of defending the most important club in my history."To our fans, I apologise for the moments when I may have let you down. Never for a lack of effort, dedication, or hard work... Thank you for everything, a hug from the captain, goodbye!"

Danilo, a member of Brazil's 2018 and 2022 World Cup squads, has won one Serie A title, one Italian Super Cup and two Italian Cups with Juve.Juventus shared images of Chelsea defender Renato Veiga arriving for a medical. The 21-year-old Portuguese international is expected to join on loan. Meanwhile, Danilo, who spent 13 years in Europe and won league titles with Porto, Real Madrid, Manchester City, and Juventus, is on the move.Danilo departs one Club World Cup-qualified team for another, heading to the inaugural 32-team tournament, set to kick off on June 14 in the United States. Flamengo has been drawn into a group with Chelsea, Le³n, and Espérance. Juventus, meanwhile, will face Manchester City, Wydad, and Al Ain in their Club World Cup group.

Australian Open: Djokovic climbs in rankings, lucky loser gains big after dream run

Australian Open: Novak Diokovic climbed one place up to No.6 in the ATP rankings. Paula Badosa returned to the top 10 while lucky loser Eva Lys made her debut in the top 100 of the WTA rankings after advancing to the fourth round at Melbourne Park.

New Delhi 24-time Grand Slam champion Novak Djokovic has climbed one place up to No.6 in the latest ATP rankings. The Serb advanced after Daniil Medvedev lost two places to be ranked No.7 in the world. Djokovic currently has 3900 points to his name and is below Jannik Sinner (11830), Alexander Zverev (8135), Carlos Alcaraz (7010), Taylor Fritz (5050) and Casper



Djokovic had a heartbreaking end to the Australian Open 2025 after injury cut short his campaign. After the first set of the first semi-final against Zverev, Djokovic retired and shook hands with the chair umpire. Later, the 37-year-old confirmed that he had a muscle tear. Djokovic was also troubled by a leg injury during the quarterfinal against Alcaraz.Germany's Eva Lys, who advanced to the Round of 16 in the hard court major, made her debut in the top 100 of the WTA rankings. Lys jumped 37 places to No.91 in

the rankings. Lys went into the tournament as a lucky loser after Anna Kalinskaya withdrew due to a virus. The 23-year-old was given about 10 minutes' notice to prepare and from there on, she went on to beat Kimberley Birrell, Varvara Gracheva and Jacqueline Cristian. In the fourth round, World No.2 Iga Swiatek beat Lys 6-0, 6-1 at the Rod Laver Arena. Lys was a part of the Qualifiers where she lost to Australia's Destanee Aiava in the second round. The youngster also got a prize money of \$420,000 after her exit in the Round of 16. Paula Badosa returns to top 10

Spain's Paula Badosa made her return to the top 10 of the WTA rankings after her impressive campaign in the Australian Open. Badosa made her maiden appearance in a Grand Slam semi-final where World No.1 Aryna Sabalenka beat her in straight sets. Eight months ago, Badosa was ranked No.140 as a

back issue kept bothering her. The injury had also sidelined her for the second half of 2023. But the Spaniard made a stupendous comeback and his currently ranked No.10 in

India vs England, Rajkot smog forecast, pitch conditions and weather for 3rd T201

New Delhi. While weather and pitch conditions have traditionally been the standard indicators at cricket venues, visibility and Air Quality Index (AQI) have become common measurements during the winter months in India. With England batter Harry Brook raising concerns about visibility due to smog in the T20I series opener in Kolkata, it is only fair to discuss visibility at venues when assessing playing conditions. As the two teams head into the third T20I of the fivematch series in Rajkot, here is a look at

the conditions likely to influence play on Tuesday, 28 January. WEATHER AND AIR QUALITYFirst things first: there is no The PM10 level is expected to be 114 forecast for rain interruptions during the third T20I, which begins at 7 pm IST. The weather is expected to be clear, with



temperatures ranging between 22 and 27 degrees Celsius. The air quality will be fair, according to AccuWeather.

micrograms per cubic metre, while the PM2.5 level is around 58 micrograms per cubic metre—indicating fair visibility,

certainly better than in Kolkata. According to AQI.in, recent visibility in Rajkot is 10 km with 10 percent cloud cover on Tuesday.First things first: there is no forecast for rain interruptions during the third T20I, which begins at 7 pm IST. The weather is expected to be clear, with temperatures ranging between 22 and 27 degrees Celsius.

The air quality will be fair, according to AccuWeather. The PM10 level is expected to be 114 micrograms per

cubic metre, while the PM2.5 level is around 58 micrograms per cubic metre—indicating fair visibility, certainly better than in Kolkata. According to AQI.in, recent visibility in Rajkot is 10 km with 10 percent cloud cover on Tuesday.

IND vs ENG: Jos Buttler eyes all-time T201 record in India before Rajkot clash

New Delhi Jos Buttler is on the cusp of another major record as England get set to take part in the third T20I of the five-match series against India on Tuesday, January 28 at the Niranjan Shah Stadium in Rajkot. The 34-year-old has the chance to become the leading run-scorer by a visiting batter in T20Is on Indian soil, being only 18 runs short of the landmark.Afghanistan veteran Mohammad Nabi holds the record, having scored 556 runs from 25 T20Is at an average of 25.27 and a strike-rate of 164.49 with three fifties and a top score of 89 to his name. Buttler, on the other hand, has racked up 539 runs from 19 T20Is in India at an average of 44.91 and a strike-rate of 153.56 with four half-centuries to show for his efforts. South Africa's Quinton de Kock is third in the list with 458 runs from 12 T20Is. The Proteas batter is followed by Australia's Glenn Maxwell, who has 445 runs from 14 T20Is, and Afghanistan's

Neymar and Al Hilal mutually terminate contract as Santos return imminent

Neymar's injury-hit stint at Al Hilal ends as the Brazilian star edges closer to a nostalgic return to his boyhood club Santos, bringing hope for a revival of his career in Brazil's top-flight football.

NEW DELHI. Saudi Pro League side Al Hilal have officially parted ways with Brazilian superstar Neymar, bringing an end to an injury-ridden 18-month stint that failed to deliver on its initial promise. The mutual termination of his contract marks a subdued conclusion to what was once touted as a landmark signing for the league. Neymar, who joined Al Hilal in August 2023 for a reported fee of 90 million euros, is now reportedly on the brink of rejoining his boyhood club,

The move to the Saudi Pro League generated immense excitement as Neymar followed Cristiano Ronaldo and other global icons in heading to the Gulf nation. However,



injuries plagued his tenure, with the 32-yearold making only seven appearances for Al Hilal, leaving fans and the club alike disappointed with the lack of meaningful contributions on the pitch.Reports now suggest that Neymar has verbally agreed to return to Santos, a club where he rose to stardom before making his nigh-profile moves to Barcelona and Paris Saint-Germain. Notably, Neymar is said to have agreed to a significant pay cut compared to his Al Hilal salary to facilitate the transfer.Santos, having secured promotion to the Brazilian Serie A after winning the Serie B title in 2024, is looking to bolster its roster with Neymar's return. His arrival is expected to elevate the club's profile and attract global attention, provided the star forward can remain fit and available for consistent game time.

While his time at Al Hilal may not have panned out as envisioned, Neymar's return to Santos represents a chance for redemption and a heartfelt reunion with the club where his career began,

before moving to FC Barcelona. Fans will hope that this chapter offers the Brazilian star an opportunity to reignite his form and enjoy a more stable and impactful spell as he approaches the latter stages of his illustrious



Mohammad Nabi, who has 435 runs from 13 T20Is.Most T20I runs by a visiting batter in IndiaMohammad Nabi - 556 runs from 25

Jos Buttler – 539 runs from 19 T20Is Quinton de Kock – 458 runs from 12 T20Is Glenn Maxwell – 445 runs from 14 T20Is Mohammad Shahzad - 435 runs from 13 T20Is Jos Buttler in excellent form

Buttler has been in excellent form in the ongoing series, although England are 0-2 down and are in a must-win position for the remainder of their matches. Buttler is currently the leading run-scorer of the series, having notched 113 runs from two matches at an average of 56.50.He scored 68 runs in the first T20I at the Eden Gardens in Kolkata, followed by his 45-run knock at the MA Chidambaram Stadium in Chennai.

Virat Kohli links up with Delhi Ranji team, begins training at Arun Jaitley Stadium

∠Virat Kohli joined Delhi Ranji Trophy squad in their training session at the Arun Jaitely Stadium on January 28, ahead of his return to domestic cricket in the side's upcoming clash against Railways.

NEW DELHI. India's star batter Virat Kohli joined Delhi's Ranji Trophy squad for a team training session at the Arun Jaitley Stadium on January 28, preparing for his muchanticipated return to domestic cricket. Kohli's comeback will be in Delhi's Ranji Trophy clash against Railways, marking his first appearance in the tournament since 2012, when he last played against Uttar Pradesh.

Arriving at the Arun Jaitley Stadium on Tuesday morning, Kohli participated in multiple group running and fielding drills, and even played touches of football along



with his Delhi teammates. His presence has heightened excitement within the Indian cricket fraternity, which has recently witnessed the domestic returns of other prominent players, including India captain Rohit Sharma, Rishabh Pant, Shubman Gill,

and Yashasvi Jaiswal.Kohli and the rest of the India stars making a return to domestic cricket aligns with the Board of Control for Cricket in India (BCCI)'s renewed emphasis on domestic performance as a significant criterion for international selection. While

Kohli missed Delhi's previous match against Saurashtra due to a neck injury, he is eager to make a strong impact in the upcoming game. His return to form is crucial, particularly after enduring a lean patch in Test cricket, including struggles during India's Border-Gavaskar Trophy series defeat to Australia.Despite the buzz around Kohli's participation, fans may not be able to watch the match live, as there is no confirmation of telecast or live-streaming. The BCCI, however, has ensured additional security measures at the Arun Jaitley Stadium, recognising the star value Kohli brings to the fixture. Delhi's match against Railways has now garnered significant attention as Kohli looks to regain his rhythm and confidence after his lean patch in his recent Test struggles against New Zealand and then Australia in the Border Gavaskar Trophy. With the game set to take place on January 30, the spotlight will be firmly on Kohli as he looks to make a memorable return to his roots and lead Delhi to a strong finish in the Ranji Trophy group stage.





amir Khan has two kids from his first marriage with ex-wife Reena Dutta daughter Ira Khan and son Junaid Khan. When Junaid Khan made his first proper public appearance in front of paps, fans praised him for his looks and humble nature. However, some were in disbelief that Aamir Khan had kids who were in their late 20s and early 30s. Junaid Khan, 31, also believes that since Aamir Khan looks young, many fans didn't think that he would have grown-up kids. Speaking to SCREEN, he said, "I look so different from my dad (Aamir Khan). Also, he looks so young that people don't think he can have such a grown-up son." As such, he added, that he doesn't get compared much to his father, despite also being an actor. Junaid made his acting debut with Maharaj, which was released on Netflix. He will soon be making his big-screen debut with Loveyapa. When asked if he felt the pressure to prove himself, he said, "Not really. Everyone has their own journey."

Being a star kid, does Junaid feel better equipped to handle the pressures of being an actor? He said, "After a point, you learn only from your failure, not others. Yet, there are many advantages — you get to see firsthand how the industry works; you have a family who knows what this world is like and have that support system."Junaid said that his parents have encouraged him to make his own choices but will be there to guide him if needed. "Papa and Ma have always encouraged us to do our own thing, make our own mistakes and explore life. If I have any specific questions, then I go to them. They always give excellent advice but also encourage us to follow our heart," he said.

Meanwhile, as or Loveyapa, Junaid will star alongside Khushi Kapoor in the film. In addition to Junaid Khan and Khushi Kapoor, the film features a stellar cast including Grusha Kapoor, Ashutosh Rana, Tanvika Parlikar, Kiku Sharda, and Kunj Anand. Directed by Advait Chandan and backed by Phantom Studios and AGS Entertainment, Loveyapa is set for a worldwide release by Zee Studios on February 7, 2025.

Triptii Dimri 'Has Miles To Go... National Crushes Temporary,' Says Bulbbul Co-Star Parambrata Chatterjee



riptii Dimri became a sensation after starring in Ranbir Kapoor's Animal. Her fame grew manifolds after the film's release and she soon starred in films like Bad Newz, Vicky Aur Vidya Ka Voh Wala Video and Bhool Bhulaiyaa 3. However, Parambrata Chatterjee, her Bulbbul costar, believes that she still has to prove herself and has miles to go.During an event organised by SCREEN, Parambrata ranked Vidya Balan as the most talented actress and took Triptii's name last. He said, "It is what it is, national crushes are temporary, but class is permanent. I mean no offence. Sorry. What is she called? Bhabhi 2!"

The actor explained, "She is lovely, a very nice girl, and I really get along with her. But she still has miles to go. She entered the industry very young and will learn a lot. But Vidya, I mean, sorry to say, is a class apart in whatever she does." He





worked with Vidya on Kahaani.

Triptii Dimri's career soared with her role in Animal, marking her entry into Bollywood's mainstream. However, the role also attracted scrutiny, which the actress has taken in stride. In an interview with Forbes India, Triptii revealed that she remains unfazed by the scrutiny surrounding her roles in Animal and Bad Newz. "I am someone who wants to give 100 per cent. If I find the character or the story interesting, I want to give my all. That's what I've learned—if it works, it works, and if it doesn't, it doesn't. We won't always be liked by everybody. There will be some people who like you, and some who don't. You can't keep all that noise in mind. You have to follow your heart and do things that you feel are right," she said. When asked whether she would try to move away from her "overtly sexualised" image, Triptii dismissed the notion. "I am going with the flow. The aim is to play different characters because I don't want to go to a set and feel bored. I want to feel challenged and wonder, 'How will this happen?'—and then make it happen," she explained.

Nushrratt Bharuccha To Star In Anurag Kashyap's Crime Thriller, Shares Pics From 1st Day On Nushrratt Bharuccha has collaborated with Anurag Kashyap for her next untitled thriller drama.

uess who's teaming up? Nushrratt Bharuccha is Tcollaborating with the king of gritty storytelling, Anurag Kashyap, for an upcoming untitled thriller—and we're already on the edge of our seats. Word on the street is that this project promises to be an intense, spine-chilling ride. The film is directed by Akshat Ajay Sharma and bankrolled by Vishal Rana. In an Instagram post, the Sonu Ke Titu Ki Sweety actress revealed that her next yet-to-be-titled 'suspense and thrill' drama is going to be a memorable one for her. She captioned the post, "The Thrill is Real! My next! A rollercoaster of suspense and thrill with the creative genius Anurag Kashyap...And very passionate Vishal Rana.

Helmed by Akshat Ajay Sharma. This one's going to be

More details about the cast and crew is yet to be out.On the work front, Nushrratt is preparing for the release of her much-awaited sequel, Chhorii 2. It is directed by Vishal Furia and is the second part of the 2021 horror drama, Chhorii. It is produced by Bhushan Kumar,

Krishan Kumar, Vikram Malhotra and Jack Davis under the banner of T-Series

Lakshmi Manchu

Calls Out IndiGo For 'Rude' And 'Intrusive' Luggage Check

ctress Lakshmi Manchu has accused IndiGo Airlines of pestering her while she was checking her bags at the airport. Manchu shared her experience on social media, detailing how the officials were disrespectful and performed an intrusive luggage search. Lakshmi criticised the staff for not being humble and throwing unnecessary tantrums in several tweets. She called the employees "rude" while checking her bags. She even said one of her fellow travellers had I don't think Indigo will accept any responsibility, even

luggage."My bag pulled aside and @IndiGo6E and thev won't let me open my bag," Lakshmi Manchu wrote on X. My bag will be left in Goa if they don't, so please assist! Flt 6e585. This is absurd, and the employees are being impolite."

This is harassment @IndiGo6E after all that they did not even put a security tag in front of my eyes," she adds in a subsequent tweet.

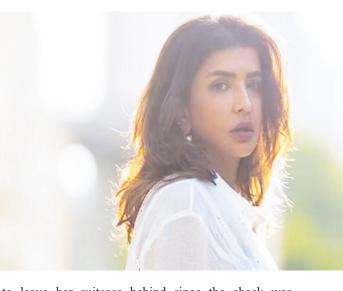
though they have stated that they would if something is missing. How can an airline be operated in this manner?

Lakshmi claimed in her most recent tweet, "They pulled people aside for sleep apnea machine! And They pulled people aside for cutlery! One co-passenger had to leave her bag because it wasn't checked in time. Cutlery with a knife and spoon! They couldn't go through her bag in time, so one of the girls had to leave it! Alright, I'm done! @IndiGo6E enjoys inflicting violation on you.

"In response to Lakshmi Manchu's accusations, the airline quickly responded, "Ma'am, we

understand the inconvenience you experienced this morning.

According to our records, the airport operator's security personnel detained your checked-in bag because of the stringent rules against bringing forbidden items in checked bags". Additionally, they expressed gratitude to her for working with their team and security personnel.



to leave her suitcase behind since the check was

According to reports, Manchu was stopped for a standard security check while travelling on a domestic flight. She claims that the airline's ground crew was extremely forceful in their demands to check her luggage. She said despite their assurances that they would, the security guards refused to allow her to open the bag to reveal its

